दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 159
मुरादाबाद
(Tuesday)
30 September 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

ये उनके मन की बात : इटली की PM मेलोनी की पाकिस्तान में बगावत के हालात,

आत्मकथा में प्रधानमंत्री मोदी ने लिखी प्रस्तावना

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी जल्द ही अपनी आत्मकथा दुनिया के सामने पेश करने वाली हैं। उनकी आत्मकथा की खास बात यह है कि इसमें प्रस्तावना का एक हिस्सा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से लिखा गया है। पीएम मोदी ने मेलोनी की आत्मकथा- आई एम जॉर्जिया- माई रूट्स, माई प्रिंसिपल्स में इटैलियन राष्ट्राध्यक्ष को लेकर कई अहम बातें लिखी हैं। बताया गया है कि इटली की प्रधानमंत्री की आत्मकथा को रूपा प्रकाशन की तरफ से छापा जा रहा है। इसमें लिखी भूमिका में पीएम मोदी ने कहा कि मेलोनी का जीवन राजनीति या सत्ता की खोज से अधिक साहस, विश्वास और लोकसेवा के संकल्प का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि जब मेलोनी ने पदभार संभाला था तो कई लोग आशंकित थे, लेकिन अब उन्होंने अपने नेतृत्व से मजबूती और स्थिरता का परिचय दिया है और इटली की आवाज को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर स्पष्टता से रखा है।पीएम मोदी ने उनकी यात्रा को भारतीय परंपरा के नारी शक्ति के विचार से जोड़ा और कहा कि यह आत्मकथा केवल राजनीतिक संस्मरण नहीं, बल्कि %उनके मन की बात है%। एक व्यक्तिगत और आत्ममंथन से भरी हुई यात्रा। प्रधानमंत्री मोदी ने किताब में भारत और इटली के साझा मूल्यों की भी बात की। इसमें विरासत की रक्षा सामुदायिक एकता और परंपरा और आधुनिकता के संतुलन का जिक्र किया गया है। पीएम ने कहा, मुझे विश्वास है कि एक जबरदस्त नेता और देशभक्त की कहानी के रूप में इसे खूब सराहा जाएगा। यह प्रस्तावना लिखना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है। प्रधानमंत्री ने आगे लिखा, रोम (इटली की राजधानी) के एक साधारण से इलाके से इटली के सर्वोच्च राजनीतिक पद तक की उनकी यात्रा, संकीर्ण पक्षपातपूर्ण राजनीति के ऊपर %उद्देश्य की ताकत% को उजागर करती है। मातृत्व, राष्ट्रीय पहचान और परंपरा की रक्षा का उनका उद्देश्य भारत के पाठकों को प्रभावित करेगा। दुनिया के साथ समान स्तर पर जुड़ते हुए, अपनी सांस्कृतिक विरासत की रक्षा करने में उनका विश्वास हमारे अपने मूल्यों का आईना है। अपने लोगों के प्रति उनकी करुणा और उन्हें शांति एवं समृद्धि के पथ पर ले जाने के उनके विचार पूरी किताब में गूंजते हैं। गौरतलब है कि पीएम मोदी और इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी की सार्वजनिक मुलाकातें, सोशल मीडिया पर वायरल सेल्फी और हैशटैग मेलोडी के जरिए दोनों नेताओं की दोस्ती सुर्खियों में रही है। इससे भारत-इटली संबंधों को नया आयाम मिला है।

पीओके में आमने - सामने आए लोग और सुरक्षाबल;सरकार ने बंद किया इंटरनेट

अवामी एक्शन कमेटी के शीर्ष नेता शौकत नवाज मीर ने कहा कि %हमारा प्रदर्शन किसी संस्था के खिलाफ नहीं है बल्कि अपने बुनियादी अधिकारों की मांग को लेकर है। बीते 70 वर्षों में हमें बुनियादी अधिकार नहीं दिए गए हैं।% उन्होंने कहा कि %अब बहुत हुआ, या तो हमें अधिकार दें या फिर जनता का गुस्सा झेलने के लिए तैयार रहें।%पाकिस्तान में बगावत के सुर लगातार तेज हो रहे हैं। एक तरफ जहां बलूच लड़ाके पाकिस्तानी सेना की नाक में दम किए हुए हैं, वहीं अब पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में भी बगावत भड़क गई है और हजारों लोग शहबाज शरीफ सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतर आए हैं। वहीं हालात को देखते हुए पाकिस्तान की सरकार ने पीओक में भारी संख्या में सुरक्षाबलों की तैनाती कर दी है। सुरक्षाबल विभिन्न शहरों में फ्लैग मार्च कर रहे हैं और इंटरनेट सेवाएं भी बंद कर दी गई हैं। अवामी एक्शन कमेटी ने की ये मांगें- पीओके में एक नागरिक समूह अवामी एक्शन कमेटी ने अनिश्चितकालीन हड़ताल का एलान किया है। इसके तहत सभी बाजार और परिवहन बंद रखे गए हैं। समूह ने 38 बिंदु वाला एक चार्टर जारी किया है, जिसमें पीओके के प्रशासन में ढांचागत सुधार की मांग की गई है। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि पीओके विधानसभा में जो 12 सीटें कश्मीरी शरणार्थियों के लिए आरक्षित हैं, उन्हें खत्म किया जाए। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि इससे प्रशासन में उनका प्रतिनिधित्व कमजोर होता है। साथ ही मंगला हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट से सस्ती बिजली देने की भी मांग की गई है। साथ ही पाकिस्तान सरकार ने जो वादे किए हैं, उन्हें भी पूरा करने की मांग की गई है।अवामी एक्शन कमेटी के शीर्ष नेता शौकत नवाज मीर ने कहा कि %हमारा प्रदर्शन किसी संस्था के खिलाफ नहीं है बल्कि अपने बुनियादी अधिकारों की मांग को लेकर है। बीते 70 वर्षों में हमें बुनियादी अधिकार नहीं दिए गए हैं।% उन्होंने कहा कि %अब बहुत हुआ, या तो हमें अधिकार दें या फिर जनता का गुस्सा झेलने के लिए तैयार रहें।%प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सख्ती कर रही पाकिस्तान सरकार वहीं पाकिस्तान की सरकार प्रदर्शनकारियों पर सख्ती बरत रही है और इस विरोध प्रदर्शन को सख्ती से कुचलना चाहती है। पाकिस्तान ने पीओके में विरोध प्रदर्शनों को देखते हुए सुरक्षाबलों की तैनाती बढ़ा दी है। बड़ी संख्या में पंजाब से सैनिकों को पीओके में भेजा गया है। विभिन्न इलाकों में सुरक्षाबल फ्लैग मार्च कर रहे हैं और इंटरनेट सेवाएं भी बंद कर दी गई हैं। सुलह के लिए पाकिस्तान सरकार, पीओके प्रशासन और प्रदर्शनकारियों के बीच करीब 13 घंटे लंबी बैठक हुई। हालांकि इस बैठक में सहमति नहीं बन पाई। हालात को देखते हुए मुजफ्फराबाद के व्यापारियों ने रविवार को दुकानें खुली रखीं ताकि लोग अपने-अपने घरों में राशन का स्टॉक रख सकें। इससे माना जा रहा है कि विरोध प्रदर्शन लंबे खिंच सकते हैं। जगह-जगह लोग सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। फिलहाल शांति है, लेकिन हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं।

संक्षिप्त समाचार

करूर भगदड़ को लेकर राहुल गांधी ने अभिनेता विजय को मिलाया फोन, तमिलनाडु सीएम से भी ली जानकारी

कांग्रेस सूत्रों ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री से हादसे के हालात पर बातचीत की और टीवीके प्रमुख विजय को भी फोन कर शोक संवेदना दी।कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से फोन पर बात कर करूर भगदड़ हादसे के बारे में जानकारी ली और दुख प्रकट किया। उन्होंने टीवीके प्रमुख विजय से भी बात की और उनकी पार्टी के समर्थकों की मौत पर संवेदना जताई। स्टालिन ने एक्स पर पोस्ट कर राहुल गांधी से हुई बातचीत का जिक्र किया। उन्होंने लिखा, शुक्रिया मेरे प्रिय भाई राहुल गांधी, जिन्होंने करूर की इस त्रासदी पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त की और गंभीरता से इलाज से गुजर लोगों की स्थिति के बारे में पूछा और उनकी जान बचाने से जुड़े कदमों की जानकारी।कांग्रेस सूत्रों ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री से हादसे के हालात पर बातचीत की और टीवीके प्रमुख विजय को भी फोन कर शोक संवेदना दी। भगदड़ में मरने वालों की संख्या रविवार को 40 हो गई, जबकि 60 से अधिक लोग अस्पताल में भर्ती हैं और कम से कम दो की हालत गंभीर है। हादसे के बाद विजय के नेतृत्व वाली टीवीके ने मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच में सीबीआई या स्वतंत्र जांच की मांग की है।

जो नहाया हो वो ही कमरे में आए.., आश्रम कांड के आरोपी बाबा ने होटल के कर्मचारियों को दी थी ये हिदायत

17 छात्राओं के यौन शोषण का आरोपी चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ स्वामी पार्थ सारथी को आगरा के होटल से गिरफ्तार कर लिया गया। चैतन्यानंद सरस्वती ने होटल में कमरा लेते ही कर्मचारियों से कहा था कि जो नहाया न हो वो कमरे में प्रवेश न करे। कमरे में चप्पल उतार कर आएं। इस कारण कोई भी उसके कमरे में नहीं गया।आगरा में चैतन्यानंद सरस्वती ने होटल में कमरा लेते ही हाउसकीपिंग सर्विस के कर्मचारियों को हिदायत दे दी थी। कहा था कि बिना अनुमति कमरे में मत आना। जो नहाया न हो वो कमरे में प्रवेश न करे। कमरे में चप्पल उतार कर आएं। इस कारण कोई भी उसके कमरे में नहीं गया। होटल में आने के बाद भी 17 छात्राओं के यौन शोषण का आरोपी चैतन्यानंद सरस्वती अपने टैक्सी चालक के संपर्क में ही था। ऐसा लग रहा था कि वह उसके साथ रविवार को कहीं और जाने वाला था। उससे ही व्हाट्सएप कॉल पर बात कर रहा था। रात आठ बजे उसे कॉल करके फलाहार मंगाया। रात में आलू के साथ खाईं कुट्टू की पूड़ी इस पर चालक ने होटल के बगल के रेस्तरां के कर्मचारी देवा को कॉल किया। देवा ने बताया कि चालक ने उससे कहा कि फलाहार चाहिए। पहले उन्होंने मना किया। बाद में भोजन के लिए आलू तैयार करवाए। रात करीब आठ बजे एक कर्मचारी कमरे में दे आया। एक घंटे बाद चालक का फिर से कॉल आया। उसने इस बार व्रत वाली कुट्टू की पूड़ी और कट्टू की सब्जी मांगी।आधा घंटे बाद कर्मचारी वह भी दे आया। इसके बाद कोई कॉल नहीं आया। आरोपी बाबा के पकड़े जाने के बाद कमरा दिलाने में सहयोग करने वाले कौशल और चालक टीटू ने फोन उठाना बंद कर दिया। देवा ने बताया कि खाने के बिल का भुगतान नहीं किया गया था। इस कारण वो चालक को कॉल कर रहा था मगर किसी ने कॉल रिसीव नहीं किया। बाद में पता चला कि स्वामी पार्थ सारथी ने होटल का भी भुगतान नहीं किया। कर्मचारी ने रकम मांगने का प्रयास किया तो पुलिसकर्मियों ने कहा कि रकम चाहिए तो दिल्ली आकर ले जाना। जानकारी के अनुसार, चैतन्यानंद सरस्वती प्राथमिकी दर्ज होने के बाद चार अगस्त को दिल्ली से भाग गया था। आगरा के होटल कर्मचारियों के अनुसार, चैतन्यानंद 27 सितंबर को शाम करीब चार बजे होटल पहुंचा, जहां उसे कमरा नंबर 101 दिया गया। उन्होंने बताया कि वह पूरी रात कमरे में रहा। ये भी पता लगा है कि %पार्थ सारथी% ने अपने खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होने के बाद 50 लाख रुपये से ज्यादा की रकम निकाल ली। अधिकारी ने कहा कि खाता खुलवाते समय उसने कथित तौर पर अलग-अलग विवरण वाले दस्तावेज जमा किए थे।आरोपी के वकील ने अपने मुवक्किल के हवाले से कहा कि आपने मेरे फोन, आईपैड और मेरा सामान ले लिया है। मैं मधुमेह से पीड़ित हूं और मुझे बैचेनी की समस्या है। मेरे भिक्षु वाले वस्त्र छीन लिए गए हैं। उन्होंने दलील दी कि मुझे (चैतन्यानंद को) परेशान करने के लिए पुलिस हिरासत में भेजा जा रहा है। यदि आपको लगता है कि (महिलाओं के लिए) खतरा है, तो मुझे न्यायिक हिरासत में लेकर उसका उपाय किया जा सकता है। शिकायतकर्ता की और से पेश वकील ने कहा कि पुलिस हिरासत की आवश्यकता है, क्योंकि आरोपी का पीड़िताओं के बयान और डिजिटल एवं अन्य साक्ष्यों के साथ सामना कराना होगा।पीड़ितों के वकील ने अदालत में कहा कि एक गवाह ने स्पष्ट रूप से कहा है कि अगर उसने शिकायत करने की हिम्मत की, तो उसे उठा लिया जाएगा।. का खतरा है। धोखाधड़ी के अपराध के लिए एक और प्राथमिकी दर्ज की गई है, जिसमें आरोपी की अग्रिम जमानत खारिज कर दी गई है। वकील ने कहा है कि यह पहली बार है, जब वह दो महीने में जांच में शामिल हुआ है। आरोपी जांच में सहयोग नहीं कर रहा है। उसने अपने आईपैड और आईक्लाउड के पासवर्ड नहीं बताए हैं। सिर्फ जब्ती काफी नहीं है।

फतेहपुर में ब्लास्ट: तेज आवाज के साथ उड़ी छत... मलबे में दबकर दो की मौत और दो घायल

यूपी के फतेहपुर जिले में बड़ा हादसा हुआ। एक घर में विस्फोट होने से मलबे में दबकर दो की मौत हो गई। जबकि दो लोग घायल हो गए।

कल्यानपुर थाना क्षेत्र के गांव रेवाड़ी खुर्द में सोमवार सुबह घर के ऊपर बने कमरे में विस्फोट हो गया। मलबे में दब कर गृहस्वामी नूर मोहम्मद (57), पुत्री तायबा (18) की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि घटना में नूर मोहम्मद का पुत्र अलीशेर, दूधिया गुड्डू निवासी लक्ष्मणपुर गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को गंभीर हालत में पीएचसी गोपालगंज से हैलेट अस्पताल कानपुर रेफर किया गया है। पुलिस अधीक्षक अनूप सिंह ने मौके का निरीक्षण किया है। मृतक गांव के बाहर पटाखा बनाने की फैक्टरी चलाता था। पुलिस विस्फोट का कारण जानने के लिए जांच में जुटी है।

संपादकीय Editorial

Misguided Development

In Himachal, the vestiges of British rule still outline the future, and even after seven decades of independence, we still don't know where to go or how. Centuries of the past are still visible when the lamps of development are lit. Moments return to the boats that set out years ago. People want wider roads, easier transportation, easier air services, and expanded rail, but the maps only magnify the promises of the past. The hill stations established by the British in Himachal no longer allow the bird of peace to nest. The mountains cannot compete with the development of the plains, nor can their technology and maps be alike. But the buildings have now become a Bhatta Kufar, battling Shimla's trend. Many towering buildings have undermined Shimla's security, but the capital, trying to quench its thirst on the same old water supply system, has become a dwarf. Due to the gap between demand and supply, all of Himachal Pradesh has grown concrete in the fields and construction in the belly of the mountains. What kind of rivers are these that dry up in the summer, turning Himachal into a desert, and make every aspect of life in the rainy season threatening? In the embrace of modern planning, Himachal has forgotten that the British bricks were better than this, which still stand as a legacy; otherwise, we would have defeated Shimla in New Shimla. Every city has lost its housing needs in the half-finished Himuda colonies. This problem isn't just urban; now every village in Himachal has been distorted. Indeed, civil society is also under the illusion that it can build a fortress of comfort for itself. We saw the hard work of building fortresses in old Kangra, where the ground remained firm and the foundation intact after centuries. Otherwise, the tragedy of the earthquake had ruined the layout of our homes. However, we are no longer seeing the impact in the changing times of Himachal that will carry us forward into the centuries to come. We're fighting for major projects on our own land, while planning needs to be done from the perspective of the entire state. For example, where is the state's place in the health plan between Nerchowk Medical College and Bilaspur AIIMS? Where is the healthcare system left in any district hospital plan, and what have the medical colleges provided us so far? Just conduct a survey of the patients who have traveled to Delhi to return alive to the state. Robots may make our work easier now, but if the X-ray machine, essential for patients, has been out of order for three days, crippling the TMC, what will we achieve by building this pinnacle of capability? We started during the British era, and even today, by demolishing those very buildings, we have kept the strategy alive in foundation stone laying and inauguration plaques. Now, amidst these boasts, the dream of converting the 97-year-old British Kangra Valley Railway into broad gauge is floundering. Hearing the estimate of Rs. 30,000 crore gives the impression that a railway station will be built in every town, but this is a miscalculation of our aspirations. Trains reaching Amb-Andaura need to further advance Himachal's rail expansion. A rail line from Amb-Andaura can reach Jwalaji for just Rs 1,000 crore. Instead of opening the impossible windows of dreams, we should try to peek through the British curtains to ensure holistic development. In this context, we have spent considerable time discussing the potential of the Balh Valley versus Kangra Valley airport. Politics has always misdirected the wheels of time, so Himachal must strive to bring its errant development back on track.

It's time to be cautious of America, but we must also be wary of internal forces.

World politics has been thrown into turmoil since Donald Trump became president. Once a tough opponent of terrorists, the United States has become increasingly inclined towards Pakistan, raising concerns for India. The Trump administration has adopted anti-India policies and is attempting to create instability in neighboring countries. Since Donald Trump became president, global political turmoil has increased. The United States, which once took a tough stance against Pakistan, which harbors terrorism, is now praising it. During his previous term, Trump accused Pakistan of harboring terrorists and betraying the United States, but now he is supporting Pakistan, not only neglecting India but also working against its interests. Trump has adopted an anti-India stance since Operation Sindoor. He first criticized India's military action against Pakistan, claiming that he prevented a war between the two countries, and then began working against Indian interests. The Pahalgam terror attack, in response to which India launched military action against Pakistan, in which 26 people were killed after being asked about their religion, was not just a brutal terrorist attack. It was a major conspiracy to plunge India into unrest. Within a week of this terrorist attack, the Trump family's company signed a cryptocurrency agreement with Pakistan. After Operation Sindoor, he invited Pakistani Army Chief Asim Munir to the US and heaped praise on him. He forgot that the Pakistani Army had sheltered Al Qaeda leader Laden, the mastermind of the 9/11 attacks. He also forgot how Pakistan worked against US forces in Afghanistan and, taking money from them, supported the Taliban. Recently, Trump also hosted Pakistani Prime Minister Shahbaz Sharif along with Asim Munir. He praised both of them, calling them great, even amid reports of how the Pakistani Army bombed its own innocent and unarmed citizens. Since becoming president, Trump has been considering no other country as anything compared to America. His attitude suggests that he doesn't want any other country to become stronger than the United States. He is aggressive toward China because it has brought many countries under its influence and has become an axis against the United States. Since India has also grown in international stature in recent years, Trump sees it as a challenge. It appears that India's rise after China, Prime Minister Modi's image as a global leader, and his drive to make India self-reliant, have become a concern for both Trump and the American Deep State. The American Deep State doesn't necessarily agree with its president's thinking. It continues to operate according to its own agenda. It creates problems for any country whose rise it considers a challenge. Often, this begins by creating an unfavorable environment in neighboring countries. It should not be overlooked that in India's neighborhood, first Bangladesh was destabilized, and Sheikh Hasina, who had friendly relations with New Delhi, was ousted from power, and then unrest was created in Nepal. The developments in both countries were seen as influenced by foreign forces. It is also noteworthy that during his recent visit to the United States, Bangladesh's interim ruler, Muhammad Yunus, expressed the need to activate SAARC to the incoming US Ambassador to India, Sergio Gor, and made provocative statements about India. He is not only ignoring the atrocities being committed against minorities in his own country, but the US is also doing nothing to stop these atrocities. Yunus is also fostering friendship with Pakistan, which once wreaked havoc in Bangladesh. Trump's attitude is worrying India because, after imposing a 50 percent tariff on Indian goods, he has also unexpectedly increased the H-1B visa fee, which is primarily used by Indian professionals. Furthermore, Trump has created problems for India at Iran's Chabahar port. In the current circumstances, India will have to remain vigilant against Trump until he changes his stance. Perhaps Prime Minister Modi has understood that in this turbulent period, India must move forward on its own strength. That is why he is calling dependence on other countries the biggest problem and is constantly emphasizing indigenous and self-reliance. Along with this, efforts are being made to make India a developed nation by 2047. Following the events in Nepal, some opposition parties are expressing fears of similar situations arising in India. Rahul Gandhi, who has been promoting vote theft, recently stated that India's General Secretary will protect the Constitution. The recent violence in Leh was surprising because talks had been scheduled with the Home Ministry on the demands for Ladakh that Sonam Wangchuk was protesting. While describing this violence as similar to the General Secretary in Nepal, it was also said that it was the result of youth anger. Such statements embolden forces trying to create instability in India and hinder efforts to make the country self-reliant. It should be noted that India is able to face international challenges, including those of the United States, because of its strong economy. The country's political class is trying to achieve this. We must strive to strengthen the Indian economy and ensure that the country becomes truly self-reliant. India must remain vigilant against both external and internal forces. This vigilance must be demonstrated to the public and opposition parties, because if any provocation or conspiracy causes unrest in the country, India will be thrown off course at a time when it is moving towards becoming a developed nation and the world is looking towards it.

The violence in Leh is a result of fanaticism; the mob even targeted security personnel's vehicles.

The violence in Leh has alarmed the entire nation. Social activist Sonam Wangchuk ended his fast unto death following the violence. A high-level committee formed by the central government was scheduled to meet on October 6th to discuss various issues related to Ladakh's development. The violence in Leh has alarmed the entire nation. On the day of the violence in Leh, it seemed as if Nepal was being replicated in miniature, in the form of anarchy. The mob was bent on destroying everything from the Hill Council to the BJP office. The mob also targeted security personnel's vehicles. This seems unlikely to have been possible without preparation. Social and environmental activist Sonam Wangchuk ended his 15-day fast following the violence. He appealed for peace. However, he also believes that the lack of results from peaceful protests has increased frustration among the youth. In other words, he is saying that anger is justified, but violence is not. Looking at the ongoing statements and events of Sonam Wangchuk and his colleagues, who have been on a hunger strike for 15 days, we might think that the government's inaction on the movement may have fueled public anger. The government's blaming of Sonam Wangchuk for the violence in Leh could also suggest that it is making accusations out of displeasure with the movement. What is the truth? A meeting of the high-level committee formed by the central government to address the demands and issues raised by Sonam Wangchuk, the Leh Apex Body (ABIL), and the Kargil Democratic Alliance was scheduled for October 6th. The names of new members suggested by ABIL itself were also agreed upon. So where was the problem? First, many demands have been met, and discussions are underway to resolve the impasse regarding inclusion of the state in the Sixth Schedule and granting it statehood. Second, the process of establishing four districts is in its final stages. Third, the reservation for Scheduled Tribes in Ladakh has been increased from 45 percent to 84 percent. Fourth, women have been given 33 percent reservation in Panchayats. Fifth, Bhoti and Purgi have been declared official languages. Sixth, the recruitment process for 1,800 posts has begun, and the formation of a separate Public Service Commission is also being considered. All this resulted from agreements reached during talks between various Ladakh organizations and the high-powered committee formed by the Union Home Ministry. When a demand was made to convene a meeting before October 6th, the government informed that an alternative meeting could be held on September 25th or 26th, and that it was being considered. What then suddenly led to violence? The truth is that an attempt was made to create a psychological pattern of violence in Leh similar to the Arab Spring and the Zen-Ge in Nepal. Sonam Wangchuk has the image of a social worker, but the politics he engages in and the statements he makes do not reflect that of a person who makes balanced decisions and desires peace and harmony. It cannot be said, of course, that Sonam has not done positive work in Ladakh. He has, but there are also a large number of people in Ladakh and Kargil who question his activities. Local political and social activists have been raising questions about his NGO's foreign funding and connections. Following his arrest, an investigation is underway. Not all demands for which a movement is launched are met. A middle path is found by considering the appropriateness, the immediate, and the long-term. When you talk about the Arab Spring, wear a mask, explain its methods to the youth, and praise Nepal's Zen-ji, the scope for prudence, balance, and practicality disappears. Ladakh's struggle for autonomy is a years-old one. The Rashtriya Swayamsevak Sangh (RSS) and the BJP, among other organizations, have been involved. Under the current constitutional framework, if someone suggests an alternative justice system and a separate system for local self-government in administrative and financial matters, can that be readily accepted? Doesn't the person making the demand realize that they are indirectly making demands that fall outside the constitutional framework? Ladakh is a border region. China and Pakistan have their eyes on it. Aksai Chin is essentially Chinese-occupied Ladakh. After the Galwan incident, the government is expanding the border with China, making it necessary for civilian and defense traffic. Linking this to the environment and creating a hostile environment is unfair in every respect. One of the many arguments behind inclusion in the Sixth Schedule is that if outsiders buy land and settle here, the culture and civilization will be affected. Before August 5, 2019, no one could even acquire citizenship in Jammu and Kashmir, let alone buy land. Despite this, what was the situation in Ladakh? Under Articles 370 and 35A, ordinary Ladakhis demanded freedom from the Kashmir Valley. People here accused the Kashmir Valley of exploitation, abuse, and neglect of its problems. This was true to some extent. At that time, the primary demand of Ladakhis was to separate the region from Jammu and Kashmir into a Union Territory and establish an autonomous council empowered to manage its development. The central government did just that. Reform and change are gradual processes. The demand for two parliamentary constituencies is not wrong, but this will only be possible through the upcoming delimitation. The agitators are aware of all this. Yet stubbornness was shown. Violence erupted and could not be controlled. The trend currently evident in India and the world is: "Fulfill our demands immediately or we will destroy everything." This dangerous trend was evident in Leh. The truth is that the majority of Ladakh's peace-loving people can never support the kind of anarchy witnessed in Leh.

रामपुर में आजम खां ने बढ़ाई सक्रियता: जौहर यूनिवर्सिटी का दौरा कर छात्रों की मुलाकात, घर पर समर्थकों का तांता

पूर्व केंद्रीय मंत्री आजम खां दिल्ली से इलाज कराकर रामपुर लौट आए हैं। रिहाई के बाद उन्होंने पहली बार जौहर यूनिवर्सिटी में छात्रों से मुलाकात की और मेडिकल कालेज का दौरा किया। रामपुर में उनके समर्थकों और पार्टी पदाधिकारियों का लगातार आना-जाना जारी है।समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां दिल्ली से इलाज कराकर रामपुर लौट आए हैं। सीतापुर जेल से रिहा होने के बाद पिछले तीन दिनों तक वह दिल्ली के एक अस्पताल में इलाज करा रहे थे। कल रात वह अपने घर रामपुर पहुंचे। इसके बाद उनके घर पर समर्थकों और पार्टी पदाधिकारियों का तांता लग गया। आजम खां ने रिहाई के बाद सोमवार को पहली बार जौहर यूनिवर्सिटी का दौरा किया। यहां उन्होंने छात्रों से बातचीत की और उन्हें सियासी, सामाजिक मुद्दों पर मार्गदर्शन भी दिया।इसके अलावा वह मेडिकल कालेज भी पहुंचे और वहां स्वास्थ्य सेवाओं व छात्रों की समस्याओं के बारे में जानकारी ली। रामपुर में आजम खां के घर पर लगातार समर्थकों का आना-जाना जारी है। उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंता जताने वालों ने भी उन्हें देखने के लिए घर पहुंचना शुरू कर दिया है। समर्थकों ने घर के बाहर स्वागत कर उनका हौसला बढ़ाया। पूर्व मंत्री ने कहा कि अब उनका पूरा ध्यान जनता और युवाओं के भविष्य की समस्याओं को समझने और हल करने पर रहेगा। पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ उनकी चर्चा में आगामी योजनाओं और सामाजिक गतिविधियों को लेकर रणनीति बनाई गई।

रोडवेज ने धान लदे ट्रैक्टर-ट्रॉली को मारी टक्कर, बस चालक की मौत.. आठ घायल, पीछे से आ रही कार भी घुसी

गजरौला हाईवे पर हुए हादसे में हरदोई डिपो के रोडवेज बस चालक नजमुद्दीन की मौत हो गई। दिल्ली जा रही बस धान लदे ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराकर पलट गई। इसी दौरान पीछे से आई कार भी बस में घुस गई। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है।गजरौला हाईवे पर हादसे में हरदोई डिपो की रोडवेज बस चालक नजमुद्दीन (35) की मौत हो गई। दिल्ली जा रही रोडवेज बस की टक्कर से शहवाजपुर डोर के निकट आगे चल रहा धान लदा ट्रैक्टर ट्रॉली पलट जाने से उसका चालक घायल हो गया। बस का चालक उसमें में सवार सात यात्री घायल हो गए। इस बीच पीछे से आई कार बस में घुस जाने से क्षतिग्रस्त हो गई। उसका चालक और सवार कार छोड़ कर भाग गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह घायलों को बाहर निकाला और निजी अस्पताल में भर्ती कराया। बस चालक का शव मोर्चरी पर रखवाया।हादसा शनिवार/ रविवार रात करीब 2.30 बजे शहवाजपुर डोर के निकट हुआ। सीओ अंजलि कटारिया ने बताया कि औद्योगिक चौकी इंचार्ज सुभाष चौहान को सूचना मिली कि हाईवे पर हादसा हो गया है। वह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। देखा हरदोई डिपो की रोडवेज हादसे में क्षतिग्रस्त है। बस में पीछे से कार घुसी है, लेकिन कार में कोई सवार नहीं था। बराबर में ही किनारे पर धान लदा ट्रैक्टर ट्रॉली पलटा हुआ पड़ा था। उसका चालक संभल के खानपुर निवासी मुख्तियार गंभीर रूप से घायल था। उधर बस में सवार यात्री चीख पुकार मचा रहे थे। उनको तुरंत बाहर निकाला गया। चालक समेत सात यात्री घायल थे। ट्रैक्टर चालक, बस के घायल यात्रियों और चालक नजमुद्दीन (35) को तुरंत निकट के निजी अस्पताल में ले जाया गया। जहां पर उसे मृत घोषित कर दिया गया। मुख्तियार की हालत नाजुक होने के कारण उसे रेफर कर दिया गया। हादसे के कारण हाईवे पर लग गया था जाम- हाईवे पर हादसे में बस सवार शानू शर्मा, राधा कृष्ण, रामनरेश, कृष्णा, शर्बती, जीवा, मंजूदा खान निवासी हरदोई घायल हो गए। ट्रैक्टर चालक मुख्तियार घायल हो गए। हाईवे पर रात हादसे के कारण जाम लग गया था। दिल्ली जाने वाले वाहनों की लेन पर दूर-दूर तक लंबी लाइन लग गई। पुलिस ने क्रेन मंगाकर बस और दूसरी दिशा में पलटे पड़े धान लदे ट्रैक्टर ट्रॉली को हटवाया। तब जाकर यातायात सुचारू हो सका। उधर बस में सवार यात्रियों को दूसरी बस में बैठाकर रवाना किया गया

तेज रफ्तार ट्रक ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को मारी टक्कर, ईंटों के नीचे दबने से संभल के दो मजदूरों की मौत

हसनपुर- संभल मार्ग पर गैस गोदाम के पास ईंटों से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली को बजरपुट से भरे ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में दो मजदूरों की ईंटों के नीचे दबकर मौत हो गई। घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया गया। हादसे के बाद सड़क पर जाम लग गया। हसनपुर संभल मार्ग पर गैस गोदाम के पास सोमवार सुबह बजरपुट से भरे ट्रक ने आगे से चल रही ईंटों से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली में टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रॉली सड़क पर पलट गई और इसमें बैठे मजदूर संभल के गांव मिलक भारतल निवासी मनोज कुमार (25) व ऋषिपाल (50) की ईंटों के नीचे दबकर मौत हो गई। दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का उपचार कराया जा रहा है। पुलिस मामले में कानूनी कार्रवाई कर रही है। बताते हैं कि रोजाना संभल क्षेत्र से ईंटों की ट्रैक्टर ट्रॉली भरकर हसनपुर क्षेत्र में बेचने के लिए लोग ले जाते हैं।सोमवार सुबह भी ईंटों को बेचने के लिए संभल से हसनपुर की तरफ ले जाया जा रहा था। संभल हसनपुर मार्ग पर उझारी में यह हादसा हो गया। बदरपुर से भरा ट्रक भी संभल की दिशा से ही आ रहा था। उसने आगे चल रही ट्रैक्टर ट्रॉली में टक्कर मार दी। इसमें मनोज कुमार और ऋषिपाल की मौत हो गई। उनके ही गांव के धर्मेंद्र और सतीश घायल हो गए। घायलों को एंबुलेंस द्वारा हसनपुर सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर किया गया, इससे पहले हादसे के बाद सड़क पर ईंटें बिखर जाने से लंबा जाम लग गया। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से घायलों को बाहर निकाला और ईंटें हटवाकर यातायात सुचारु कराया। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से भाग गया। उसकी तलाश में पुलिस जुटी है। सीओ दीप कुमार पंत ने बताया कि हादसे में दो लोगों की मौत हुई है। दो घायल हुए हैं घायलों का उपचार कराया जा रहा है। मामले में कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

आंध्र प्रदेश के कारोबारी को धमकाया, मांगी बीस लाख की रंगदारी, 16 के खिलाफ मुकदमा

आंध्र प्रदेश के कारोबारी ने मझोला थाने में छह नामजद और दस अज्ञात के खिलाफ बीस लाख रुपये रंगदारी मांगने का केस दर्ज कराया है। आरोप है कि अमेरिका से लौटने के बाद मुरादाबाद निवासी और उसके भाई ने धोखे से उनकी जमीन और फैक्टरी हड़प ली। बाद में आरोपियों ने धमकाया और मारपीट कर लूटपाट की।आंध्र प्रदेश के कारोबारी साई धीरज गुटलालपल्ली ने मझोला थाने में छह नामजद और दस अज्ञात के खिलाफ बीस लाख रुपये की रंगदारी, घर में घुसकर तोड़फोड़ करने, एक लाख रुपये लूटने के आरोप में केस दर्ज कराया है। पीड़ित साई धीरज गुटलालपल्ली ने दर्ज कराए केस में बताया कि वह वह आंध्र प्रदेश के चंद्र मोली नगर के रहने वाले हैं। साई धीरज का कहना है कि वह पांच साल पहले अमेरिका में जॉब करते थे। वहां मुरादाबाद निवासी अजय आनंद से मुलाकात हुई थी। अजय आनंद ने उन्हें सलाह दी कि वह मुरादाबाद में फैक्टरी बना लें। अजय आनंद ने अपने भाई रजत से भी मुलाकात करा दी। साई धीरज का कहना है कि वह विदेश से नौकरी छोड़कर मुरादाबाद आ गए।आरोपी ने फैक्टरी लगाने के लिए देवीपुरा एतमाली में 1950 वर्ग मीटर का एक प्लॉट दिखाया। प्लॉट का भुगतान पीड़ित ने कर दिया। साई धीरज को बाहर होना बताकर आरोपी ने प्लॉट का बैनामा अपने नाम करा लिया। इस प्लॉट पर फैक्टरी बना ली गई। इसके बाद रजत ने एक मकान खरीद लिया और अजय आनंद ऑफिस के लिए बिल्डिंग अपनी मां के नाम पर लीज पर दिला दी। पीड़ित का आरोप है कि रजत आए दिन व्यापार में धोखाधड़ी करने लगा। पीड़ित ने हिसाब मांगा तो आरोपी ने उन्हें धमकाने शुरू कर दिया। आरोप है कि 10 सितंबर 2025 को रजत, उसकी बहन मधु, अवनीश अपने साथ 10 लोगों को साथ लेकर पीड़ित को धमकाया। ऑफिस के कैमरे, वाईफाई समेत अन्य सामान तोड़ दिए। पुलिस के आने पर आरोपी माफी मांग कर भविष्य में ऐसा न करने का विश्वास दिलाया। आरोप है कि इसके बाद अजय आनंद ने कॉल की और 20 लाख रुपये की रंगदारी मांगी। रुपये न देने पर जान से मारने की धमकी दी। 24 सितंबर 2025 की देर रात आरोपी मधु, रजत, अवनीश की पत्नी सुमन, बेटा समेत अन्य लोग घर में घुस आए। आरोप है कि इस दौरान अजय आनंद वीडियो कॉल के जरिए इन लोगों को इशारा दे रहा था। आरोपियों ने साई धीरज के साथ मारपीट की और मकान से सामान व एक लाख रुपये लूटकर भाग गए। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया गया है। विवेचना में जो भी तथ्य सामने आएंगे। उसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कंप्यूटर शिक्षा में दक्ष होंगे सरकारी स्कूलों के बच्चे, आईआईटी कानपुर में शिक्षिकों ने ली ट्रेनिंग

अमरोहा जिले के पांच स्कूलों के शिक्षक आईआईटी कानपुर में कंप्यूटर और तकनीकी शिक्षा के प्रशिक्षण में शामिल हुए। प्रशिक्षण के बाद यह शिक्षक अपने स्कूलों में बच्चों को डिजिटल साक्षरता, कोडिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित आधुनिक कंप्यूटर शिक्षा देंगे। परिषदीय विद्यालयों के शिक्षक कंप्यूटर और तकनीकी शिक्षा में भी दक्ष होंगे। जिले से पांच शिक्षक कानपुर आईआईटी में प्रशिक्षण लिया है। वह प्रशिक्षण के बाद अपने विद्यालयों के बच्चों को भी कंप्यूटर की शिक्षा देंगे। आईआईटी कानपुर में कंप्यूटर प्रशिक्षण के लिए तीसरे बैच का तृतीय चरण 22 सितंबर से शुरू हुआ जो 26 सितंबर तक चला। इसमें प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए अमरोहा जिले से पांच शिक्षक चयनित किए गए।इनमें संविलियन विद्यालय चौबारा की विज्ञान विषय की गीता वर्मा, उच्च प्राथमिक विद्यालय नगली शेख के शिक्षक मोहित शरण, उच्च प्राथमिक विद्यालय जेबड़ा के अभिषेक कुमार, संविलियन विद्यालय तरारा हाजीपुर के अतुल कुमार व संविलियन विद्यालय गफ्फरपुर के राजदीप सिंह शामिल हैं।एक शिक्षिका समेत पांचों शिक्षकों को चयनित कर प्रशिक्षण के लिए कानपुर भेज दिया गया। उनको आईआईटी कैंपस में पांच दिन तक ऑफलाइन प्रशिक्षण दिया था जिसमें एक बैच ढाई सौ शिक्षकों का था। ऑफलाइन प्रशिक्षण प्राप्त कर जिले के पांचों शिक्षक लौट आए हैं। अब उनको सात हफ्ते का ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिसे वह अपने घर पर ही प्राप्त करेंगे। इसके बाद दो दिन का प्रशिक्षण फिर कानपुर में दिया जाएगा जिसमें उनके प्रशिक्षण का फीड बैक लिया जाएगा। कंप्यूटर का प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले शिक्षक बाद में अपने-अपने विद्यालय के बच्चों को कंप्यूटर के साथ ही आधुनिक तकनीकी शिक्षा का प्रशिक्षण देंगे। प्रशिक्षण प्राप्त कर आईं गजरौला की शिक्षिका गीता वर्मा ने बताया कि कक्षा 6 से 8 के पाठ्यक्रम में डिजिटल साक्षरता कोडिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित कंप्यूटर पढ़ाई को शामिल किया गया है। इसका मकसद बच्चों को भविष्य की जरूरत के हिसाब से दक्ष करना है। इसी कारण शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। यह दिया गया प्रशिक्षण-कंप्यूटर का प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले शिक्षकों को कंप्यूटर का इतिहास सिखाया। उनको फोल्डर बनाना, एमएस वर्ड, एमएस एक्सल, एमएस पावरप्वाइंट, कंप्यूटर की आधुनिक जैसे पाइथन, एचटीएमएल स्क्रैच ईमेल आदि का प्रशिक्षण दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

रंगेहाथ पकड़ी गई: पति ने लगाया घर पर पहरा तो प्रेमी से मिलने पहुंच गई गेस्ट हाउस, महिला है दो बच्चों की मां

महिला ने पति के घर से जाते ही वह प्रेमी को घर बुला लेती थी। पत्नी की प्रेम कहानी की भनक पति को लगी तो उसने पहरा बैठा दिया। बावजूद इसके पत्नी की हरकतें काम नहीं हुई तो उसने नजर रखनी शुरू कर दी। दो बच्चों की मां प्रेमी से मिलने गेस्ट हाउस में पहुंच गई। शक होने पर पति भी पीछे से पहुंच गया और दोनों को रंगेहाथ पकड़ लिया। हंगामा होने पर महिला पति को चकमा देकर प्रेमी के साथ भाग निकली। पीड़ित पति ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस जांच में जुटी है। यह मामला नौगांवा सादात कस्बे का है। यहां पर रहने वाले युवक की शादी छह साल पहले और उसके मोहल्ले की रहने वाली युवती के साथ हुई थी। दंपती के दो बच्चे भी हैं। शादी के कुछ दिन बाद ही विवाहिता का प्रेम प्रसंग कस्बे में ही रहने वाले युवक से शुरू हो गया। महिला ने पति के घर से जाते ही वह प्रेमी को घर बुला लेती थी। पत्नी की प्रेम कहानी की भनक पति को लगी तो उसने पहरा बैठा दिया। बावजूद इसके पत्नी की हरकतें काम नहीं हुई तो उसने नजर रखनी शुरू कर दी। शनिवार की सुबह विवाहिता प्रेम से मिलने के लिए घर से निकाल कर गेस्ट हाउस पहुंच गई। इसके बाद पति ने उसका पीछा शुरू कर दिया।गेस्ट हाउस पहुंचे पति ने पत्नी को उसके प्रेमी के साथ रंगेहाथ पकड़ लिया। इसके बाद गेस्ट हाउस में हंगामा हो गया। लोगों की भीड़ जमा हो गई। इस दौरान विवाहिता अपने पति को चकमा देकर प्रेमी के साथ वहां से भाग निकली। सूचना मिलती पुलिस मौके पर पहुंच गई। इस मामले में युवक ने अपनी पत्नी के प्रेमी के खिलाफ थाने में तहरीर दी है। वहीं दो बच्चों की मां की प्रेम कहानी कस्बे में चर्चा का विषय बनी हुई है।

साप्ताहिक बाजार में पेड़ पर लटका मिला युवक का शव, हत्या का आरोप, मौके पर पहुंची पुलिस

रामपुर के अजीमनगर थाना क्षेत्र के खौड़ की साप्ताहिक बाजार में एक पेड़ पर रंजीत (25) का सब शव पेड़ पर लटका मिला। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिवार के लोग मौके में पहुंच गए। उन्होंने रंजीत की हत्या का आरोप लगाया है। घटना की जानकारी पाकर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस घटना को आत्महत्या से जोड़ रही है।फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। युवक की मौत के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। रामगंगा नदी में डूबा युवक, जाल में फंसा मिला शव दूसरे हादसे में खेड़ा मोहल्ला निवासी अल्लू पुत्र मसीत रविवार को पशु चराने के लिए खेत पर गया था। शाम को सभी पशु तो लौट आए, लेकिन अल्लू वापस नहीं आया। परिजनों ने उसकी काफी तलाश कर इसकी सूचना थाने में दी। इस बीच रामगंगा नदी में मछुआरे मछली पकड़ने के लिए जाल लगाए हुए थे। सोमवार तड़के करीब चार बजे जाल में अल्लू का शव फंसा मिला। खबर मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और शव को घर ले आए। अचानक हुई इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

प्रधानों की उदासीनता से ग्रामीण परेशान, लोग खुद करा रहे हैं सड़क और नाली निर्माण

क्यूँ न लिखूँ सच / मुरादाबाद। जनपद मुरादाबाद की ग्राम पंचायत सिडावली के गाँव गुलडिया में ग्राम प्रधान की उदासीनता और जिम्मेदार विभागों की उदासीनता से तंग आकर ग्रामीणों ने खुद अपने खर्चे से सड़क और नाली निर्माण का बीड़ा उठाया लगभग 40 मीटर आर सी सी सड़क और नाले का निर्माण कराया । जनपद मुरादाबाद की ग्राम पंचायत सिडावली के गुलडिया गांव निवासी राजपाल सिंह सड़क और नाले मे अपना निजी धन से कार्य को करा रहे हैं।

सिढावली गांव के निवासी राजपाल सिंह ने बताया कि हम लोग कई बार प्रधान से गुहार लगा चुके लेकिन उन्होंने ने कोई ध्यान नहीं दिया। बरसात में गली कीचड़ से भर जाती है। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक फिसलकर गिर जाते हैं। चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं लेकिन उसके बाद कोई देखने तक नहीं आता। मजबूरी में हम ने यह काम शुरू किया है। सिढावली गांव के विकास की जिम्मेदारी भले ही पंचायत प्रतिनिधियों और सरकारी योजनाओं की हो, लेकिन हालात यह हैं कि प्रधानों की उदासीनता और जिम्मेदार विभागों की लापरवाही से ग्रामीणों को खुद आगे आकर बुनियादी सुविधाओं का इंतजाम करना पड़ रहा है। गांव में लंबे समय से सड़क और नाली निर्माण की मांग की जा रही थी, लेकिन स्थानीय प्रतिनिधियों ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया। टूटी-फूटी सड़क गलियां और नालियों की बदहाल स्थिति से लोग आए दिन परेशानी झेल रहे थे। बारिश के मौसम में कीचड़ और गंदगी से हालत और बिगड़ जाती थी। थक-हारकर सिढावली गांव के राजपाल सिंह ने अपने निजी धन से नाले और सड़क का निर्माण करना शुरू कर दिया सड़क पर करीब 40 मीटर आरसीसी और नाले का निर्माण कराया। यह मामला गांवों में विकास कार्यों की हकीकत और व्यवस्था की खामियों को उजागर करता है, जहां ग्रामीण मजबूरी में खुद ही अपने अधिकारों और जरूरतों को पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं।

बरेली बवाल: व्हाट्सएप पर भेजे थे ये मैसेज... मास्टरमाइंड नदीम ने उगला सच; 29 और आरोपी गिरफ्तार, वायरलेस बरामद

बरेली में बवाल के मामले में आरोपियों पर कार्रवाई जारी है। पुलिस ने 29 और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें मुख्य साजिशकर्ता नदीम खान भी शामिल हैं। एसएसपी के मुताबिक उसने बवाल के दौरान हैंडसेट छीना था। आरोपी मौलाना आईएमसी के पूर्व कोतवाली पुलिस पास से पुलिस से बरामद किया आरोपी गिरफ्तार

पुलिसकर्मी से वायरलेस बरेली में बवाल के कराने के तौकीर रजा खान की पार्टी जिलाध्यक्ष नदीम खान को ने गिरफ्तार कर लिया। उसके छीना गया वायरलैस हैंड सेट गया। सोमवार को कुल 29 कर चालान किया गया। एसएसपी अनुराग आर्य ने पत्रकार वार्ता में बताया कि नदीम मौलाना तौकीर का बेहद भरोसेमंद साथी है। उसने पुलिस का हैंडसेट गोपनीय बातें सुनने के लिए इस्तेमाल किया होगा। एसएसपी के मुताबिक आरोपियों ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। एसएसपी अनुराग आर्य ने कहा कि बवाल के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक नदीम खान समेत 29 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसने बवाल के दौरान एक पुलिसकर्मी से मोबाइल हैंडसेट छीना था, जिसे बरामद कर लिया गया है। एक अन्य आरोपी जफरूद्दीन को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके पास से हथियार भी बरामद किया गया है।लियाकत की तलाश में जुटी पुलिस एसएसपी के मुताबिक आरोपियों ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार करते हुए बताया कि उन्हें व्हाट्सएप के माध्यम से एक विशिष्ट स्थान पर इकट्ठा होने के संदेश मिले थे। आरोपी नदीम खान ने कहा है कि उसके, डॉ. नफीस और लियाकत के हस्ताक्षरों वाली एक अपील लेटरहेड पर प्रसारित की गई थी। पुलिस टीम लियाकत की तलाश कर रही है। नदीम खान ने लोगों को गुमराह करने की कोशिश की, यह कहकर कि अपील पत्र पर हस्ताक्षर उसके नहीं थे। उसका इरादा जनता और पुलिस को गुमराह करना और कानून तोड़ना था। एसएसपी अनुराग आर्य ने कहा कि इस घटना में अब तक कुल 56 लोगों को गिरफ्तार किया है और जल्द ही और गिरफ्तारियां की जाएंगी। पुलिस लाइन में हाथ जोड़कर माफी मांगते पहुंचे आरोपी- कोतवाली पुलिस ने बवाल के 14 और बारादरी पुलिस ने 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। नदीम समेत सभी आरोपी जब प्रेसवार्ता के लिए पुलिस लाइन लाए गए तो वह हाथ जोड़कर माफी मांग रहे और गिड़गिड़ा रहे थे।

बरेली बवाल में बड़ी कार्रवाई: मौलाना तौकीर के करीबी डॉ. नफीस की मार्केट सील, पुलिस के हाथ काटने की दी थी धमकी

बरेली बवाल के मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी करने के साथ जिला और पुलिस प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है। सोमवार को नगर निगम की टीम ने मौलाना तौकीर रजा के करीबी डॉ. नफीस की मार्केट को सील कर दिया है। इस मार्केट में तौकीर आरोपी आरोपी मौलाना तौकीर रजा खान फिलहाल जेल पूर्व जिला अध्यक्ष नदीम खां पर भी जिला और पुलिस चौराहे स्थित डॉ. नफीस की मार्केट को सील कर दिया उतरवाने की धमकी दी थी। शहर के नावल्टी चौराहे पर ही विवादित है। मार्केट नाले पर बनी होने का मामला का दफ्तर भी सील- नावल्टी स्थित मार्केट में 48 दुकानों मिल्लत कौंसिल) का दफ्तर भी है, जो दूसरे फ्लोर पर नफीस मौलाना तौकीर का दाहिना हाथ बताया जाता है। करने वाले) बताकर किराये की वसूली करता है। वक्फ की संपत्ति के साथ उसकी खरीद फरोख्त के भी आरोप बनाई गई दुकानों को भी बेचने के मामले ने तूल पकड़ा

रजा की पार्टी आईएमसी का दफ्तर भी है। बरेली में बवाल कराने के में हैं। वहीं उनके करीबी आईएमसी के पूर्व प्रवक्ता डॉ. नफीस और प्रशासन ने शिकंजा कस दिया है। नगर निगम ने सोमवार को नावल्टी है। नफीस ने बवाल से पहले पुलिस के हाथ काटने और वर्दी पहलवान साहब के मजार के पास स्थित नफीस की मार्केट पहले से कोर्ट में चल रहा है, जिस पर स्टे है। 48 दुकानों के साथ आईएमसी के साथ मौलाना तौकीर रजा की पार्टी आईएमसी (इत्तेहाद-ए- है। दुकानों के साथ आईएमसी का दफ्तर भी सील किया है। डॉ. वह खुद को वक्फ की बोर्ड संपत्ति का मुतवल्ली (संपत्ति की देखरेख की संपत्ति की खरीद फरोख्त के भी मामले- डॉ. नफीस पर वक्फ लग चुके हैं। नौमहला मस्जिद के पास वक्फ बोर्ड की संपत्ति पर था। हालांकि दबाव में आकर मामले को रफा दफा कर दिया गया। इस पूरे प्रकरण डॉ. नफीस पर उसके बिगड़ैल बोल अब भारी पड़ते जा रहे हैं। हाथ पैर काटने की धमकी दी थी धमकी - डॉ. नफीस ने आई लव मोहम्मद लिखे पोस्टर उतारने पर किला इंस्पेक्टर को हाथ पैर काटने और वर्दी उतारने की धमकी दी थी। उसका वीडियो भी वायरल हुआ था। वीडियो में वह कहा रहा है कि मैंने किला इंस्पेक्टर से साफ कह दिया कि बैनर पर हाथ लगाया तो हाथ काट लूंगा। वर्दियां नहीं बचेगी। इस वीडियो के वायरल होने पर किला थाने में नफीस के खिलाफ रिपोर्ट लिखी है।

बदायूं में मेडिकल कॉलेज के छह जूनियर डॉक्टर गिरफ्तार, नर्सिंग छात्रों को बेरहमी से पीटा था

बदायूं में मारपीट करने के आरोपी छह जूनियर डॉक्टरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। राजकीय मेडिकल कॉलेज के जूनियर डॉक्टरों पर नर्सिंग छात्रों को बेरहमी से पीटने का आरोप है। घटना का वीडियो भी वायरल हुआ था। बदायूं के जूनियर डॉक्टरों को सिविल लाइंस पुलिस ने सिटी मजिस्ट्रेट की कोर्ट में पेश किया। जहां मेडिकल कॉलेज के बीएससी नर्सिंग के छात्र कराया था। बताया था कि वह भरभना चौराहा में बीएससी नर्सिंग की पढ़ाई कर रहे हैं। जान 11.50 पर मेडिकल कॉलेज के ही डॉक्टर गुप्ता, रितुराज सिंह, सविन्दल, अभिषेक गिरि, ने वीर प्रताप यादव और उनके साथियों तन्यम मारपीट व गाली-गलौज की। जिससे अमन दोबारा मिलने पर जान से मार देंगे। अन्य आरोपियों की तलाश -सोमवार को थाना पुलिस ने दबिश देकर डॉ.अंकित, अखिलेश यादव, मेधांशु सिंह, शुभम कुमार राठी, हितेश, शिवांग मणि त्रिपाठी को गिरफ्तार कर उनका शांति भंग में चालान किया है। अन्य नामजद डॉक्टरों की तलाश पुलिस कर रही है। इस घटना में घायल हुए छात्रों का मेडिकल कराया गया है। एक छात्र को गंभीर चोटें आने के कारण उसका एक्स-रे भी कराया गया है। गिरफ्तार किए गए सभी जूनियर डॉक्टर हैं। ये सभी वर्तमान में राजकीय मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल में रहते हैं। सिविल लाइंस थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि अन्य नामजद आरोपियों और उनके अज्ञात साथियों की तलाश जारी है। छह लोगों का शांति भंग में चालान किया गया है।

राजकीय मेडिकल कॉलेज में बीएससी नर्सिंग के छात्रों से मारपीट के आरोप में छह गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन सभी के खिलाफ शांतिभंग की कार्रवाई करते हुए से जमानत पर सभी को रिहा कर दिया गया है। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के राजकीय वीर प्रताप यादव ने रविवार शाम को दस जूनियर डॉक्टरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज इटावा के रहने वाले हैं। वह अपने साथियों के साथ राजकीय मेडिकल कॉलेज बदायूं से मारने की धमकी भी दी - आरोप लगाया कि 28 सितंबर को दिन में करीब मेघान्शू सिंह (जूनियर डॉक्टर), शिवांग मणि त्रिपाठी, अखिलेश यादव, तुषार, रवि रवि सिंह व अज्ञात डॉक्टर्स उनके किराये के मकान के बाहर आ गए। जूनियर डॉक्टरों प्रताप, यश तोमर, मोहित तिवारी, अमन यादव, अंकित गुप्ता, अनुज शर्मा के साथ यादव को गंभीर चोट आईं हैं। आरोपियों ने धमकी दी कि कॉलेज में पढ़ने नहीं देंगे।

पूजा ने दस बार की वीडियो कॉल... अभिषेक ने चचेरे भाई को बताई थी ये बात; शोरूम संचालक हत्याकांड में खुलासा

अलीगढ़ में बाइक शोरूम स्वामी अभिषेक गुप्ता की हत्या की साजिश में अशोक पांडेय को जेल भेज दिया गया है। पूजा शकुन की तलाश जारी है। खेरेश्वर चौराहे पर बाइक शोरूम स्वामी की हत्या के मामले में पूछताछ में उजागर साजिश हुई।अलीगढ़ में बाइक शोरूम स्वामी अभिषेक गुप्ता की हत्या की साजिश में आरोपी अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अशोक पांडेय को रविवार को जेल भेज दिया गया। अब तक की पुलिस जांच में उजागर हुआ कि इस हत्या की साजिश पूजा शकुन पांडेय द्वारा रची गई, जिसमें अशोक पांडेय शामिल रहे और उन्हें पूरी जानकारी दी। इस तरह के तकनीकी साक्ष्य पुलिस को मिले हैं, जिसके आधार पर अशोक पांडेय को जेल भेजा गया है। बाकी पूजा शकुन व शूटरों को पकडने़ के लिए पुलिस प्रयासरत है। हाथरस सिकंदराराऊ कोतवाली क्षेत्र के गांव कचौरा निवासी बाइक शोरूम संचालक अभिषेक गुप्ता की शुक्रवार देर शाम खेरेश्वर चौराहा पर रोडवेज बस में चढ़ते समय बाइक सवार शूटरों ने हत्या कर दी थी। घटना के समय वे अपने गल्ला आढ़ती पिता नीरज गुप्ता व चचेरे भाई संग खैर से कचौरा जा रहे थे। इस हत्या का मुकदमा रोरावर थाने में गांधीपार्क के बी-दास कंपाउंड की अखिल भारत हिंदू महासभा की राष्ट्रीय सचिव महामंडलेश्वर अन्नपूर्णा भारती उर्फ पूजा शकुन पांडेय व उनके पति राष्ट्रीय प्रवक्ता अशोक पांडेय व दो अज्ञात आरोपियों पर कराया गया। जिसमें पांडेय दंपती पर साजिश रचकर हत्या कराने का आरोप है। इधर, पुलिस ने शुक्रवार रात ही अशोक पांडेय को हिरासत में ले लिया था।पूजा शकुन ने साजिश रचकर कराई हत्या- सीओ प्रथम मयंक पाठक के अनुसार अशोक पांडेय से अब तक पूछताछ व जांच में तकनीकी साक्ष्यों के सहारे उजागर हुआ है कि यह हत्या पूजा शकुन ने साजिश रचकर कराई है, जिसकी पूरी जानकारी व मूक सहमति अशोक पांडेय को थी। खुद अशोक पांडेय पहले अभिषेक को किसी झूठे मुकदमे में फंसाकर जेल भिजवाना चाहते थे। जब उसमें बात नहीं बनी तो हत्या की साजिश रची गई। रुपयों का विवाद, व्यापार में पार्टनरशिप न करना उजागर इसके पीछे अब तक मूल कारण रुपयों का विवाद, व्यापार में पार्टनरशिप न करना उजागर हुआ है। चूंकि पूजा शुकन की अभिषेक से ज्यादा करीबी थी। इसलिए पूजा शकुन के पकड़े जाने के बाद कुछ अन्य कारण भी सामने आ सकते हैं। इसलिए हमारी टीमें उन्हें और शूटरों को पकड़ने के प्रयास में जुटी हैं। रविवार को अशोक पांडेय को हत्या की साजिश के आरोप में रिमांड मजिस्ट्रेट के समक्ष पेशी के बाद जेल भेजा गया है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

हाजी तालिब अंसारी को मुरादाबाद का जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच / यूसुफ / मुरादाबाद : सपा नेता हाजी तालिब अंसारी को मुरादाबाद का मनोनीत किया कि कहा कि अखिलेश ए समाज की

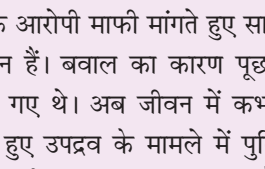

समाजवादी पार्टी जिला उपाध्यक्ष गया है उन्होंने कहा जन नायक यादव देश मे पी डी आवाज़ बने हैं और वह देश के लोकतंत्र और संविधान बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं उन्होंने कहा कि उनके इस मिशन को एक सिपाही की हैसियत से पूरा करने के लिए पूरी निष्ठा से काम करूँगा उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल और मुरादाबाद सांसद रुचिवीरा का धन्यवाद और आभार व्यक्त करता हूँ

बहकावे में आ गए थे... अब जीवन में कभी ऐसा नहीं करेंगे, बरेली में बवाल का कारण पूछने पर ये बोले उपद्रवी

बरेली बवाल के आरोपी माफी मांगते हुए सामने आए। ज्यादातर आरोपी नौजवान हैं। बवाल का कारण पूछने पर बोले कि वे बहकावे में आ गए थे। अब जीवन में कभी ऐसा नहीं करेंगे। बरेली शहर में हुए उपद्रव के मामले में पुलिस ने रविवार को 22 और लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने सभी आरोपियों को न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया। वहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। इनमें से 16 लोगों पर बवाल करने और छह पर मौलाना तौकीर रजा खां की गिरफ्तारी के बाद लोगों को भड़काने का आरोप है। मौलाना तौकीर रजा समेत कुल 34 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। संदिग्ध 26 लोगों को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है। एसपी सिटी ने बताया कि शुक्रवार को भीड़ की ओर से किए गए पथराव और फायरिंग में 22 पुलिसकर्मी घायल हुए थे। कोतवाली में पांच, बारादरी में दो, किला, कैंट व प्रेमनगर थाने में एक-एक एफआईआर दर्ज कर 125 लोगों को नामजद किया गया है। तीन हजार अज्ञात लोगों को भी आरोपी बनाया गया है।एसी सिटी ने आरोपियों को मीडिया के सामने पेश किया तो वे माफी मांगते हुए सामने आए। ज्यादातर आरोपी नौजवान हैं। बवाल का कारण पूछने पर बोले कि वे बहकावे में आ गए थे। अब जीवन में कभी ऐसा नहीं करेंगे। आरोपियों में चक महमूद निवासी मोईन उर्फ चोटीकटवा के खिलाफ पहले से कई मामले दर्ज हैं। वह पहले भी शहर का माहौल खराब करने की कोशिश कर चुका है।76 लोग पुलिस के रडार पर, इनमें चार पार्षद प्रशासन की मनाही के बावजूद भीड़ को खलील स्कूल तिराहे की ओर भेजने में सात थाना क्षेत्र के पांच पार्षद सहित 77 लोगों की भूमिका सामने आई है। एक पार्षद को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस अब चार पार्षदों सहित 76 लोगों की भूमिका की जांच कर रही है।एससी सिटी ने आरोपियों को मीडिया के सामने पेश किया तो वे माफी मांगते हुए सामने आए। ज्यादातर आरोपी नौजवान हैं। बवाल का कारण पूछने पर बोले कि वे बहकावे में आ गए थे। अब जीवन में कभी ऐसा नहीं करेंगे। आरोपियों में चक महमूद निवासी मोईन उर्फ चोटीकटवा के खिलाफ पहले से कई मामले दर्ज हैं। वह पहले भी शहर का माहौल खराब करने की कोशिश कर चुका है।शहर में हालात सामान्य बवाल के तीसरे दिन रविवार को शहर के हालात काफी हद तक सामान्य रहे। कुछ इलाकों से भीड़ जुटने की अफवाहें आती रहीं, लेकिन कहीं से कोई अप्रिय सूचना नहीं रही। इस दौरान संवेदनशील इलाकों में पुलिस ने ड्रोन कैमरों से निगरानी कराई। सोमवार को हालात पूरी तरह सामान्य हैं। बाजार में आम दिनों की तरह चहल-पहल है।पुलिस अफसरों ने किया रूट मार्च एसएसपी अनुराग आर्य और एसपी सिटी मानुष पारीक ने पुलिस, पीएसी और आरएएफ के साथ शाम को कुतुबखाना, सैलानी, ईंट पजाया, श्यामगंज, खलील स्कूल तिराहा, आलमगिरीगंज, बिहारीपुर सहित अन्य इलाकों में रूट मार्च किया। ऑटो व ई-रिक्शा चालकों और दुकानदारों से बात कर किसी भी किस्म की अफवाह पर ध्यान न देने की अपील की।बढ़ी सख्ती, 25 नवंबर तक जिले में धारा 163 लागू बरेली में शांति व्यवस्था के दृष्टिगत एडीएम सिटी सौरभ दुबे ने 25 नवंबर तक के लिए जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-163 के तहत निषेधाज्ञा लागू की है। इससे अब किसी भी सार्वजनिक स्थान पर पांच या इससे अधिक संख्या में लोग एकत्र नहीं होंगे। इस प्रतिबंध से सरकारी कार्यालयों को दूर रखा है। व्यवस्था को प्रभावित करने वालों के विरुद्ध संबंधित थाना प्रभारी एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई करेंगे। जिले की वर्तमान स्थिति के मद्देनजर एक एडीएम, सात एसडीएम मंडल के अलग-अलग जिले से बुलाए गए हैं।

कस्तूरबा गांधी विद्यालय में स्वच्छता अभियान को लेकर गोष्ठी हुई

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच(जालौन) आज सोमवार को नगर के घुसिया रोड स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय कोंच में पर्यावरण व नदी का संरक्षण एवं स्वच्छता अभियान को एक गोष्ठी हुई इस गोष्ठी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद कोंच के सभासद महेंद्र सिंह कुशवाहा मंचस्थ रहे और अतिथियों में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की वार्डन वंदना वर्मा बबिता बबेले ऋतु बर्मा प्रतीक्षा गुप्ता

अनीता पाल कृपाशंकर राजपूत और मांडवी देवी बन दरोगा माता प्रसाद चौधरी आदि भी मंचस्थ रही इस गोष्ठी के बाद एक प्रतियोगिता आयो जित की गई इस प्रतियोगिता में विद्यालय की कक्षा आठ की छात्रा प्रतिज्ञा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया और कक्षा आठ की छात्रा ऋतु ने दूसरा स्थान पाया और तीसरे स्थान पर कक्षा आठ की छात्रा वंशिका ने तीसरा स्थान प्राप्त कर विद्यालय परिवार का नाम रोशन किया इस अवसर पर मुख्य अतिथि युवा सभासद महेंद्र सिंह कुशवाहा ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं में सभी छात्राओं को भाग लेना चाहिए आज का दौर कंपटीशन का दौर है और इस कंपटीशन के दौर में आगे निकलना है तभी आप सफलता पायेंगे कार्यक्रम में साफ सफाई के बारे में भी बताया गया ओर स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिये साफ सफाई भी की गई इस दौरान शिवाजी मनीष यादव माता प्रसाद सहित स्कूल की कई छात्राएं मौजूद रही

कर्नाटक से आए हाथियों का नया आशियाना, मुस्तफाबाद गेट पर बनेगा स्थाई कैंप

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / हाल ही में टाइगर रिजर्व में गश्त और सुरक्षा के लिहाज से लाए गए हाथियों के स्थाई कैंप को लेकर फैसला लिया गया है। मानव वन्यजीव संघर्ष व सुरक्षा संबंधी मामलों के लिहाज महत्वपूर्ण है। ऐसे रखा जाएगा जहाँ से आसान और समय पीलीभीत टाइगर निसर्गा समेत चारों ठिकाना अब मुस्तफाबाद रेंज में स्थाई कैंप बनाया के सुरक्षित रहने के

कार्य कराए जाएंगें। बता दें कि चारों हाथी अभी तक टाइगर रिजर्व की माला रेंज स्थित कैंप में रखे गए थे। पीलीभीत के जंगलों को टाइगर रिज़र्व घोषित करने के बाद यहाँ बाघ समेत तमाम दुर्लभ वन्य जीवों के संरक्षण के लिहाज़ से आवश्यक सभी क़दम उठाए जाने लगे। जैसे जैसे समय बीतता गया वैसे ही वन्यजीवों की संख्या में भी तेज़ी से इज़ाफ़ा हुआ। पर्यटन व संरक्षण के लिहाज़ से तो बढ़ती बाघों की संख्या एक अच्छा संकेत है। मगर जंगल से सटे इलाकों में रहने वाले ग्रामीणों के लिए यह कई बार आफ़त का सबब भी बन जाती है। वहीं उत्तराखंड व नेपाल से सीमा साझा करने के चलते यह टाइगर रिज़र्व और अधिक संवेदनशील हो जाता है। जंगल के कई इलाक़े ऐसे होते हैं जहाँ वाहन या फिर पैदल पहुँचना बेहद मुश्किल होता है। इसी के लिहाज़ से बीते वर्षों में कर्नाटक से चार हाथियों को पीलीभीत टाइगर रिज़र्व लाया गया था। लंबे समय तक इनकी ट्रेनिंग के लिए महावतों को भी यहाँ पर रखा गया था। अब यह हाथी पीलीभीत टाइगर रिजर्व प्रशासन के लिए मददगार बनना शुरू हो गए हैं। किसी भी परिस्थिति में पीलीभीत टाइगर रिज़र्व के सभी रेंज में समय रहते इन हाथियों को पहुंचाने के उद्देश्य से अब इन्हें मुस्तफाबाद गेट पर ही स्थाई कैंप बनाकर रखने का फैसला किया गया है। टाइगर रिजर्व प्रशासन ने यह निर्णय पांचों रेंज कवर करने के उद्देश्य से लिया है, ताकि हाथियों की जरुरत पड़ने पर उन्हें तत्काल कम समय में संबंधित रेंज में भेजा जा सके। पीलीभीत टाइगर रिज़र्व के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह ने बताया कि उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार एलिफेंट कैंप बनाए जाने हैं। जल्द ही इस कवायद को धरातल पर शुरू करा दिया जाएगा।

पीटीआर में घटेगा ईको सेंसिटिव ज़ोन का दायरा, होटल और पर्यटन कारोबार को मिलेगी राहत

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत पीलीभीत टाइगर रिजर्व के आसपास ईको सेंसिटिव ज़ोन (श्वर्ं) का दायरा घटाकर अब सिर्फ 1 किलोमीटर किया जा रहा है। इससे होटल और पर्यटन कारोबार को राहत मिलने की उम्मीद है, लेकिन एक्सपर्ट को आशंका है कि इसका असर आम लोगों के जीवन और पर्यावरण पर भारी पड़ सकता है। पीलीभीत टाइगर रिज़र्व में ईको सेंसेटिव ज़ोन का दायरा और कम किया जाएगा। ईको सेंसिटिव ज़ोन का दायरा कम करने से पीलीभीत टाइगर रिज़र्व के आस पास होटल इंडस्ट्री और पनपेगी जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। ईको सेंसिटिव ज़ोन का मुख्य उद्देश्य वन्यजीवों के आवासों की रक्षा करना और उनके सुरक्षित आवागमन को सुनिश्चित करना है। दायरे में कमी से इन उद्देश्यों की पूर्ति में कठिनाई हो सकती है। हालांकि ईको सेंसिटिव ज़ोन के दायरे में कमी से स्थानीय लोगों को राहत मिल सकती है, क्योंकि पहले के प्रतिबंधों से उनकी आजीविका प्रभावित हो रही थी, इसको लेकर प्रदेश के वन राज्य मंत्री डॉक्टर अरुण सक्सेना ने तस्वीर साफ की है। हाल ही में उत्तर प्रदेश के पीलीभीत टाइगर रिज़र्व और विश्व प्रकृति निधि (WWF) की ओर से 3 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में वन विभाग के आलाधिकारियों के साथ ही साथ उत्तर प्रदेश सरकार में वन एवं पर्यावरण मंत्री स्वतंत्र प्रभार डॉ. अरुण सक्सेना भी शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने मानव वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम के साथ ही साथ पीलीभीत टाइगर रिज़र्व में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिहाज़ से ईको सेंसेटिव जोन के दायरे को 2 किलोमीटर से घटा कर 1 किलोमीटर करने का ऐलान किया है। इको सेंसिटिव ज़ोन का दायरा कम होने के चलते जंगल से सटे इलाकों में होटल इंडस्ट्री पनपेगी। दरअसल, पीलीभीत जिले के सैकड़ों गांव टाइगर रिजर्व की सीमा पर बसे हुए है। ऐसे में आए दिन यहां से मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं सामने आती है। मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं से इतर यह इलाका पर्यावरण के लिहाज से भी काफी अधिक संवेदनशील है। यहां की जाने वाली छोटी से बड़ी मानवीय गतिविधियां जंगल की इकोलॉजी पर कुछ न कुछ प्रभाव ज़रूर डालती है। इन सब बातों को मद्देनज़र रखते हुए बीते दिनों में पीलीभीत टाइगर प्रशासन की ओर से पीलीभीत टाइगर रिज़र्व की सीमा से सटे दो किलोमीटर के दायरे में आने वाले लगभग 284 गांवों को इको सेंसिटिव ज़ोन घोषित करने का प्रस्ताव वन एवं पर्यावरण मंत्रालय को भेजा गया था। टाइगर रिज़र्व घोषित किए जाने के बाद ईको सेंसिटिव ज़ोन के दायरे में आने वाले क्षेत्रों में होने वाली मानवीय गतिविधियों को प्रतिबंधित व नियमित किया जाता है। ईको सेंसिटिव ज़ोन में वाणिज्यिक खनन, प्रदूषक उद्योगों की स्थापना व जल विद्युत परियोजना प्रतिबंधित होती है। वहीं पेड़ो की कटाई, होटल रिजॉर्ट की स्थापना, प्राकृतिक जल का व्यवसायीकरण, सड़कों का चौड़ीकरण जैसी तमाम वह गतिविधि जो वन्यजीवों के विचरण में व्यवधान उत्पन्न करती है उन्हें विनियमित किया जाता है। इस क्षेत्र में केवल कृषि गतिविधियों की अनुमति होती है।

स्वास्थ्य विभाग की बड़ी कार्रवाई, ,अवैध रुप से संचालित दो अस्पताल सील बाकी का इंतजार

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / तहसील क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित अस्पतालों, अल्ट्रासाउंड सेंटरों, क्लीनिकों व पैथोलॉजी पर सख्त कार्रवाई शुरू हो गई है। कस्बा अमरिया में सोमवार को उप जिलाधिकारी और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी ने अवैध रूप से संचालित दो अस्पतालों को सील कर दिया। आपको बता दें की दैनिक क्यों ना लिखूं सच ने क्षेत्र में

संचालित हो रहे अवैध अस्पतालों, क्लीनिकों, पैथोलॉजी लैबों के संबंध में प्रमुखता से बीते दिनों खबर को प्रकाशित किया था। अमरिया में आज उप जिलाधिकारी मयंक गोस्वामी और अमरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ. अनिकेत गंगवार के नेतृत्व में अमरिया में चल रहे फर्जी अस्पतालों के खिलाफ जोरदार अभियान चलाया गया। इस कार्रवाई में जीवनदीप हॉस्पिटल और जीवन ज्योति नर्सिंग होम को सील कर दिया गया, जिससे तहसील अमरिया क्षेत्र में हड़कंप मच गया। चिकित्सा अधिकारियों ने बताया कि कस्बा अमरिया में चल रहे अधिकतर हॉस्पिटल, क्लीनिक और पैथोलॉजी लैब अवैध रूप से संचालित हो रहे थे, जो मरीजों की जान को खतरे में डाल रहे थे। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ. अनिकेत गंगवार ने साफ किया कि भविष्य में भी ऐसे अवैध संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी ताकि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके, स्वास्थ्य विभाग की इस कठोर कार्रवाई ने क्षेत्रवासियों में राहत की भावना जागृत की है और भ्रांतिपूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के खिलाफ सख्त संदेश दिया है कि स्वास्थ्य विभाग मानकों का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस अभियान से जन स्वास्थ्य सुरक्षा को मजबूती मिलेगी।

लेले अइहा सेंट गमकऊआ राजा जी... रामलीला के मंच पर अश्लील नृत्य, वायरल हुआ वीडियो

वाराणसी जिले में श्री चेतगंज की रामलीला में अश्लील गाना बजाकर डांस किया गया। इसका वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। रामलीला में अश्लील नृत्य को लेकर लोगों में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। श्री चेतगंज की रामलीला में अश्लील गीतों पर ठुमके नगरवधुओं ने जमकर राम और लगाए। मंच पर एक तरफ आरती हो लक्ष्मण के स्वरूपों की नगर वधुएं रही थी, वहीं दूसरी ओर लगा रही अश्लील गीतों पर ठुमके वीडियो थीं। बीती रात नृत्य का समिति ने वायरल होने के बाद लीला मांगी है। श्री आम श्रद्धालुओं से माफी की ओर से चेतगंज रामलीला समिति मंदिर से बीती रात बाबा लोढ़ेनाथ रामकटोरा पिसनहरिया कुआं हो रही थी। पर ताड़का वध की लीला और लक्ष्मण लीला के दौरान जब राम थी, वहीं की आरती उतारी जा रही शुरू हो मंच पर नगरवधुओं का नृत्य गया।

भोजपुरी के अश्लील गीतों पर नगरवधुएं नृत्य कर रही थीं। सामने बैठे लीला प्रेमी भी इस नृत्य को देख रहे थे। नगरवधुओं ने लेले अइहा सेंट गमकऊआ राजा जी... पर थिरकना शुरू किया तो कुछ लोगों ने उसका वीडियो भी बना लिया। इसके बाद यह वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल होने लगा। वीडियो देखने के बाद लीला प्रेमियों ने इस घटना की निंदा शुरू कर दी। श्री चेतगंज रामलीला समिति के अध्यक्ष अजय गुप्ता उर्फ बच्चू ने बताया कि यह घटना बेहद शर्मनाक है। इसकी जितनी भी निंदा की जाए कम है। वह बीमार होने के कारण लीला में शामिल नहीं हो पाए थे। जिन लोगों ने इस तरह का कृत्य किया है, उन पर कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

कोतवाली में बैठक में मूर्ति विसर्जन को लेकर नंबर आवंटन के सौंपे

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ कोंच(जालौन) आज सोमवार को कोतवाली परिसर में नगर में तमाम जगहों पर विराजी दैवीय प्रतिमाओं के विसर्जन को लेकर आज एक आवश्यक बैठक बुलाई

गई इस बैठक की अध्यक्षता सी ओ कोंच परमेश्वर प्रसाद ने की इस बैठक में सी ओ परमेश्वर प्रसाद ने कहा कि अब सभी दैवीय प्रतिमा ओ को लेकर नंबर आवंटन कर दिए गए है और सभी को नंबर दिए गए है और जो दैवीय प्रतिमाओं के विसर्जन हेतु शोभा यात्रा निकलेगी वह नंबर से ही निकले गी जिसको जो नंबर दिया गया है वह उस नंबर के साथ ही चले कोई भी बिना नंबर के न चलेगा और जिसका जो दिया नंबर है उसके हिसाब से ही क्रम से रहेगा और सभी दैवीय प्रतिमाओं के कमेटी के लोगों को नंबर चिट भी दे गई है अब कोई विवाद का सवाल ही नहीं ओर लोग शांति के साथ अपना कार्य करे अगर कोई अशांति या अराजकता फैलाने का कार्य करता है तो उसके खिलाफ कार्यवाही की जायेगी अगर किसी को कोई परेशानी या समस्या है तो वह पुलिस प्रशासन को जरूर अवगत कराए इस अवसर पर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक अजीत सिंह एसएसआई विमलेश कुमार दरोगा अशोक कुमार वर्मा नीतीश कुमार शिवनारायण वर्मा सत्यपाल सिंह दिलीप मिश्रा भीष्म पाल सिंह राजेश सिंह वीपी तिवारी शुभम् परमार सहित देवी भक्त मौजूद रहे

थाना नदीगांव के दरोगा सत्यदेव सिंह ने शराब के क्वाटर पकड़े

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ कोंच(जालौन) कोंच सर्किल के थाना नदीगांव के दरोगा सत्यदेव सिंह ब हमराही पुलिस कर्मी ने कस्बा नदीगांव भ्रमण के दौरान एक व्यक्ति के कब्जे से बीस अदद देशी शराब के क्वाटर नाजायज बरामद किये है पकड़े गए व्यक्ति का नाम रोहित पुत्र पप्पू निवासी ग्राम रेडर थाना बताया है पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा धारा 60 आबकारी अधिनियम में दर्ज कर लिया है

कैलिया थाने के एसआई दिनेश कुमार सिंह ने अश्लील गाने गाते हुये पकड़ा

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच(जालौन) कोंच सर्किल के थाना कैलिया के एसआई दिनेश कुमार सिंह ने आज ग्राम पीपरी कलां से हरिमोहन पुत्र ग्यासी प्रसाद निवासी ग्राम पीपरी कलां को रास्ते में आने जाने वाली महिलाओं के साथ छींटा कसी करते हुये अश्लील गाने गाना जिससे महिलाए शर्मिंदा हुई इस पर पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा धारा 296 बीएनएस में दर्ज कर लिया है

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

श्री 108 विव्रत सागर जी मुनिराज का प्रवचन आनंद की तलाश के बारे में बताया

क्यूँ न लिखूँ सच /राकेश गुप्ता/ शामली आज दिगंबर जैन धर्मशाला में परम पूज्य वात्सल्य दिवाकर मुनि श्री 108 विव्रत सागर जी मुनिराज का प्रवचन आनंद की तलाश, क्षणिक सांसारिक सुखों की व्यर्थता और सच्चा सुख तथा शांति प्राप्त करने के आध्यात्मिक मार्ग पर केंद्रित है, प्रवचन का मुख्य विषय सच्चा आनंद प्राप्त करने के लिए सांसारिक सुखों के मोह को त्यागना और आत्म-चिंतन व आध्यात्मिक प्रयोजन को समझना है। यह बताता है कि कैसे हम क्षणिक सुखों में उलझकर जीवन की वास्तविक %परीक्षा% को भूल जाते हैं और स्थायी सुख के लिए वास्तविक मार्ग की उपेक्षा करते हैं।मनुष्य आनंद की तलाश में रहता है, लेकिन उसे केवल क्षणिक, भौतिक सुखों (जैसे टीवी देखना, खेल खेलना) का अनुभव होता है। ये शॉर्ट प्लेजर हमें हमारी वास्तविक जिम्मेदारियों (जैसे परीक्षा की तैयारी) से विचलित करते हैं और अंततः दुख का कारण बनते हैं। मुनिराज कहते हैं कि कैसे लोग एक पसंदीदा सीरियल के लिए बच्चे की भूख को भी नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन बाद में पछताते हैं। यह दर्शाता है कि सांसारिक सुख अंततः पश्चाताप की ओर ले जाते हैं। हम खुद को बुद्धिमान समझते हैं, लेकिन वास्तव में हम बुद्धिहीन हैं क्योंकि हम उन स्पष्ट चेतावनियों (जैसे तम्बाकू के पैकेट पर कैंसर की चेतावनी) को नजरअंदाज करते हैं जो हमारे जीवन को नष्ट कर सकती हैं। इसी तरह,

हम बचपन से चली आ रही धार्मिक क्रियाओं को बिना किसी गहरे प्रयोजन के करते रहते हैं (जैसे मुट्ठी भर चावल चढ़ाना)। ये क्रियाएं तब तक व्यर्थ हैं जब तक उनके पीछे का वास्तविक %प्रयोजन% नहीं समझा जाता। मुनिराज अकलंक स्वामी के %आत्म-मीमांसा% ग्रन्थ का उदाहरण देते हुए बताते हैं कि भगवान को नमस्कार उनके बाहरी ऐश्वर्य (छत्र, समवसरण) के लिए नहीं, बल्कि इसलिए किया जाता है क्योंकि वे दुखों को दूर करने वाले और अनंत संतुष्ट हैं। संसार के दुखों से निकलने के लिए केवल दो में से किसी एक प्रश्न का उत्तर जानना आवश्यक है- सुख प्राप्ति का साधन क्या है? दुख दूर करने का उपाय क्या है? संबंध (रिश्ते-नाते) सुख की आशा में बनाए जाते हैं, लेकिन यदि जिससे संबंध बनाया जा रहा है वह स्वयं सुखी है या नहीं, तो ये संबंध और अधिक दुख का कारण बनते हैं। राग (अटैचमेंट) और द्वेष (नफरत) दोनों ही अग्नि के समान हैं, जो हमें झुलसाते हैं। सांसारिक रिश्ते-नाते और समाज को एक जेल के समान बताया गया है, जहाँ परिवारजन और पड़ोसी %रखवाले% की भूमिका निभाते हैं, जो आत्मा को मुक्ति के मार्ग पर आगे बढ़ने से रोकते हैं। मुनिराज अपने व्यक्तिगत अनुभव को साझा करते हैं कि कैसे दीक्षा (संन्यास) लेते समय समाज और पड़ोसियों ने उन्हें रोकने की कोशिश की, यह दर्शाता है कि सांसारिक बंधन कितने मजबूत होते हैं। भौतिक आभूषण (सोना, हीरा) केवल मन को मैला करते हैं, लालच और ईर्ष्या को बढ़ावा देते हैं। सच्चा आभूषण प्रभु हैं। उन्हें हृदय कमल में स्थापित करने से मन की मलिनता दूर होती है। भगवान का शरीर स्वाभाविक रूप से सुगंधित होता है; उनके शरीर पर डाला गया जल भी सुगंधित (गंधोदक) हो जाता है, जो यह दर्शाता है कि उनकी उपस्थिति मात्र से सब कुछ पवित्र हो जाता है। भगवान परमेश्वर हैं क्योंकि उन्होंने अपनी आत्मा में निहित ईश्वरत्व को पहचानकर स्वयं को शुद्ध किया है। जैन दर्शन सिखाता है कि प्रत्येक आत्मा परमेश्वर बनने की क्षमता रखती है। हमारा जीवन एक समुद्र के समान है, जिसमें पत्नी, बच्चे, रिश्तेदार, मित्र जैसी अनगिनत नदियाँ आकर मिलती हैं, जिससे यह समुद्र (मोह-माया) बढ़ता जाता है। इस समुद्र में लगने वाली %बड़वानल% (समुद्र में लगने वाली अग्नि) की तरह, सच्चे देव-शास्त्र-गुरु के प्रति सच्ची श्रद्धा ही इन सांसारिक मोह-माया की नदियों के प्रभाव को सुखाती है। यह श्रद्धा हमें संसार सागर में डूबने से बचाकर, हमें स्थिर रखती है और अंततः हमें इन बंधनों से मुक्त होकर स्वयं महासागर (परमात्मा अवस्था) बनने की प्रेरणा देती है। अंत में, प्रवचन श्रोताओं से आह्वान करता है कि वे सच्चे मार्गदर्शकों का आश्रय लें और अपनी आत्मा में स्थित परमेश्वरत्व को पहचानकर स्वयं सागर (ज्ञान और शांति से परिपूर्ण) बनें। आज का चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन अर्चना जैन एवं उनके भाई विनोद जैन के द्वारा किया गया पा प्रक्षालन राजेश जैन सीमा जैन परिवार द्वारा शास्त्र भेंट सुनीता जैन रेखा जैन द्वारा किया गया आज सुबह मुनि श्री के सानिध्य में अभिषेक एवं शांति धारा चिन्मय जैन अरुण जैन एवं अनुज जैन द्वारा संपन्न हुई।

प्रधान द्वारा नाली निर्माण कराया गया , चंद दिनों के अंदर टूट कर बिखर गई नाली

क्यूँ न लिखूँ सच / अमरीक सिंह/ धनौली गांव रोड के बीच में नाली बना हुआ है उस पर ऊपर ढक्कन रखा हुआ था कई महीनो से ढक्कन टूटा पड़ा है पर ग्राम प्रधान ध्यान नहीं दे रहे हैं इसके लिए ब्लॉक सचिव को कई बार गांव वाले अवगत करा चुके हैं पर इस पर कोई गौर नहीं कर रहा है ग्राम प्रधान व सचिव उस नाली पर पर्दा डालने में लगे हुए हैं कई बार स्कूली ई रिक्शा उसे नाली में गिरकर पलट गया पर प्रधान की आंखें नहीं खुल रही हैं जिस तरीके से केंद्र सरकार राज्य सरकार स्वच्छ भारत का मिशन चला रही है पर धनौली का मंजर कुछ और ही बयां कर रहा - है ग्राम प्रधान धनौली में नाली नहीं सही करवा पा रहे हैं गांव वालों का कहना है की नाली नहीं सही हुई तो ट्रॉली भर भर कर रिसिया ब्लॉक पर धरना देंगे प्रधान व ग्राम सचिव के खिलाफ जबकि यह रोड मटेरा से नानपारा को जोड़ती है पर इस पर गौर कोई नहीं कर रहा है हकीकत पूछो तो एक रोड को बनाकर कई कई बार पैसे निकाल लिया गया है केवल कागजों में कार्रवाई की जा रही है जिस तरीके शासन प्रशासन मौन है शायद लग रहा है की नीचे से लेकर ऊपर तक कमीशन खोरी हो रही है

शिवपुरी शहर के सर्वांगीण विकास के लिए कलेक्टर ने की समीक्षा बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। शिवपुरी शहर को सुंदर, स्वच्छ और आधुनिक स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से सोमवार को जिलाधीश कार्यालय सभाकक्ष में विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी ने की। इस अवसर पर अपर कलेक्टर दिनेश चन्द्र चौधरी, एसडीएम शिवपुरी आनंद राजावत, संयुक्त एवं डिप्टी कलेक्टर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में सड़क चौड़ीकरण, यातायात व्यवस्था, पार्कों के नवीनीकरण, जल निकायों के संरक्षण और सौंदर्यीकरण जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर चौधरी ने पावर प्रेजेंटेशन के माध्यम से विकास योजनाओं का अवलोकन करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए। मुख्य विकास कार्य- कठमई से ग्वालियर बायपास तक 4.50 किमी मार्ग पर पथवे, सेल्फी पॉइंट, म्यूरल्स और सजावटी खंभे लगाए जाएंगे। सर्कुलर रोड पर डिवाइडर व पथवे के साथ आकर्षक खंभे स्थापित होंगे। पुराने पार्कों (सावरकर, मटका, जवाहर कॉलोनी, अम्बेडकर और संजय कॉलोनी) में लैंडस्केपिंग, पौधारोपण, पथवे, सीसी रोड और नालियों का निर्माण होगा। जाधव सागर, भुजरिया तालाब और मनियर तालाब का संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण किया जाएगा। प्रमुख चौराहों - एम.एम. हॉस्पिटल, गुना, ग्वालियर, माधव और पोहरी चौराहा का चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण किया जाएगा। कठमई और ककरवाया पर वेलकम गेट का निर्माण और ट्रांसपोर्ट नगर का विकास होगा। हॉकर्स जोन एवं ऑटो स्टैण्ड शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए अलग-अलग स्थानों पर हॉकर्स जोन और ऑटो स्टैण्ड विकसित किए जाएंगे। हॉकर्स जोन - फिजिकल सम्पवेल के सामने, एसपी कोठी, अनाज मंडी, मेडिकल कॉलेज, बस स्टैण्ड, पोहरी चौराहा और खेड़ापति मंदिर के पास। ऑटो स्टैण्ड - ग्वालियर बायपास, गुना बायपास, बस स्टैण्ड, मेडिकल कॉलेज, जिला चिकित्सालय, पोहरी चौराहा और खेड़ापति मंदिर क्षेत्र। कलेक्टर चौधरी ने पुनर्घनत्वीकरण योजना, राष्ट्रीय झील संरक्षण परियोजना, एयरपोर्ट विकास, औद्योगिक क्षेत्र स्थापना, चांदपाठा तालाब व माधव चेक मरम्मत, मेडिकल कॉलेज परिसर में निर्माणाधीन सीसीएचबी, नर्सिंग कॉलेज और मातृ-शिशु स्वास्थ्य इकाई जैसे प्रोजेक्ट्स की प्रगति की भी समीक्षा की। बैठक के अंत में उन्होंने कहा कि - शिवपुरी का सर्वांगीण विकास केवल एक योजना नहीं, बल्कि शहर को एक आधुनिक, सुंदर और व्यवस्थित नगर बनाने का संकल्प है। सभी विभाग गुणवत्तापूर्ण कार्य समय-सीमा में पूर्ण करें।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने दिया प्रशिक्षण, घर-घर सत्यापन कर मतदाता सूची को शुद्ध बनाने के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ जिला निर्वाचन अधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने सोमवार को राजकीय मेडिकल कॉलेज के ऑडिटोरियम में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों, को एक दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का नींव है। यदि सूची सटीक और पारदर्शी एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न अधिकारी ने निर्देश दिया कि घर-घर जाकर मतदाताओं का नागरिक का नाम सूची में अवश्य पर हटाए जाएं। उन्होंने यह भी कहा शिकायतों और दावों-आपत्तियों का निष्पक्ष ढंग से किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि मतदाता नाम नाम हटाने के लिए फॉर्म-7 तथा लिए फॉर्म-8 का उपयोग सुनिश्चित बीएलओ तथा सुपरवाइजरों किया। प्रशिक्षण के दौरान शुद्धीकरण लोकतंत्र की त्रुटिरहित होगी तो चुनाव हो सकेंगे। जिला निर्वाचन सुपरवाइजर और बीएलओ सत्यापन करें। प्रत्येक पात्र जुड़े तथा अपात्र नाम समय कि मतदाता सूची से जुड़ी निस्तारण समयबद्ध व अधिकारियों को यह भी जुड़वाने के लिए फॉर्म-6, संशोधन/स्थानांतरण के किया जाए। साथ ही जनता को इन प्रपत्रों तथा निर्वाचन आयोग की ऑनलाइन सुविधाओं के बारे में जागरूक किया जाए, ताकि लोग आसानी से आवेदन कर सकें। प्रशिक्षण में अधिकारियों को प्रपत्रों के सही उपयोग, फील्ड सत्यापन, पर्यवेक्षण की व्यवस्था और रिकॉर्ड संधारण के विषय में विस्तार से जानकारी दी गई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को जिम्मेदारी और टीम भावना से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने में हर पात्र मतदाता का नाम सूची में होना आवश्यक है और इस दिशा में सभी का योगदान अहम है। इस अवसर पर उप निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट नेहा ब्याडवाल सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

देवेन्द्रनगर में मंडल स्तरीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच/रमाशंकर तोमर/ भाजपा द्वारा र सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत देवेन्द्रनगर में मंडल स्तरीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम में प्रदेश नेतृत्व प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के निर्देशन में व भाजपा जिला अध्यक्ष बृजेंद्र मिश्रा के मार्गदर्शन में संपूर्ण जिले में यह आयोजन 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक मंडल स्तरीय रक्तदान शिविर के आयोजन किए जा रहे है। रविवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवेन्द्रनगर में आयोजित रक्तदान शिविर में रक्त डोनेट करने वाले मुख्य रूप से शुभम् श्रीवास्तव ,मोहम्मद सफी,उमेश पाठक, शिवेंद्र सिंह परिहार, गोलू चौहान, अजय पटेल, ध्रुव चौबे, गोपी सिसोदिया, अशोक कुशवाहा, आदर्श सिसोदिया,शनि जैन, गुलशेर, सुनील चौरसिया, तीरथ प्रसाद अजाज खान, ने रक्त डोनेट किया। रक्त दान शिविर में मुख्य रूप सेवा पखवाड़ा के जिला सहसंयोजक रक्तदान प्रभारी युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष भास्कर पाण्डेय मंडल अध्यक्ष अरविंद सिंह परिहार आदि उपस्थित रहें।

जयंती प्रसाद जैन प्राथमिक विद्यालय में छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया

क्यूँ न लिखूँ सच /राकेश गुप्ता/ जलालाबाद शामली श्री जयंती प्रसाद जैन प्राथमिक विद्यालय में छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया जलालाबाद श्री जेपी जैन प्राथमिक विद्यालय में छात्र-छात्राओं को सर्वोदय महिला समिति मेरठ द्वारा बच्चों को पेन रबड़ कॉपी देकर सम्मानित किया गया। सुशील जैन प्रबंधक द्वारा छात्राओं को कॉपी पेंसिल रबर का वितरण करते हुए जैन ने कहा कि मेरठ से आए सर्वोदय महिला समिति का सम्मान किया गया और स्कूल की ओर से सभी का आभार प्रकट किया द्य इस अवसर पर प्रधानाचार्य राजबाला जैन, कु गीता, कु पायल, अदीबा , वीना जैन, त्रिशला जैन,सुनीता जैन, रिया जैन,आदि उपस्थित रहे

ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का निरीक्षण में सभी व्यवस्थाएं सुदृढ़, सुरक्षा मानकों का हो रहा अक्षरशः पालन

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा/ भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत जिला निर्वाचन अधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने आज विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वेयरहाउस की चौतरफा सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह सुदृढ़ पाई गई। सीसीटीवी कैमरे पूरी तरह सक्रिय मिले तथा सभी सुरक्षा उपाय मानक के अनुरूप व्यवस्थित पाए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी गतिविधियों की सतत निगरानी सुनिश्चित है और आयोग के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन हो रहा है। इस अवसर पर उप निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट नेहा ब्याडवाल, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि एवं अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

Kidney cancer cases will double worldwide! Identify these 5 early symptoms early

Kidney-related diseases are increasing due to lifestyle changes and unhealthy eating habits. According to a new study, kidney cancer cases could double by 2050. Risk factors such as obesity, smoking, diabetes, and high blood pressure are the main causes. Let's learn more about this study and learn about its symptoms. Kidneys are one of the most vital organs in our body. Kidney cancer cases have been increasing rapidly in recent times. According to a study, the incidence will double by 2050. Kidney-related diseases are also on the rise these days. Poor eating habits and changing lifestyles often lead to many problems. Kidney problems are one of these, troubling many people these days. Meanwhile, a recent study has revealed some results that have increased concern. A recent study revealed that kidney cancer cases could double by the year 2050. The study also explained its main causes. Therefore, in this article, we will learn about this study and some early symptoms of kidney cancer, which will help in identifying it easily. What does the study say? The study revealed that kidney cancer cases could double by the year 2050. The main causes include risk factors such as obesity, smoking, lack of exercise, diabetes, and high blood pressure. This new study by researchers at Fox Chase Cancer Center found a significant increase in kidney cancer cases. The findings of this study were published in European Urology. In the study, researchers found that kidney cancer cases worldwide will double in the next 25 years. In the year 2022, approximately 435,000 new kidney cancer cases and 156,000 deaths were recorded worldwide. If current conditions continue, these numbers could potentially double by 2050. Causes of Kidney Cancer: Studies suggest that approximately 5% to 8% of kidney cancers are genetic, linked to mutations in specific genes. However, more than half of kidney cancer cases worldwide are caused by obesity, high blood pressure, chronic kidney disease, smoking, environmental exposures, and lack of physical exercise. Researchers emphasized that lifestyle changes such as weight control, blood pressure and blood sugar management, and smoking cessation can reduce or even prevent kidney cancer risk. These individuals are at higher risk: Kidney cancer is most common in people aged 65 to 74. Men are at higher risk than women. However, this cancer is less common in children. Early

detection of kidney cancer signs and symptoms is crucial for better treatment. Therefore, you can identify it by these symptoms. Blood in the urine – a lump or swelling in the back, under the ribs, or in the neck Persistent pain between the ribs and waist Loss of appetite Fatigue Weight loss High fever that does not subside Always feeling unwell Excessive sweating, even at night Anemia High blood pressure High calcium

If your child is mischievous all day, teach them discipline without scolding them; they'll start obeying everything you say.

Has your home become a playground and your child is annoying you with their mischief all day long? If you're tired of scolding and want your child to listen to you lovingly, this article is especially for you. Here, we're sharing 5 tips related to this. Children's mischief is a nuisance for everyone. This creates a huge problem for parents. With these tips, you can teach your children discipline. Does your child misbehave all day and refuse to listen? If so, you're not alone. Many parents struggle with this problem and often resort to scolding, which can backfire. Instead of scolding or hitting, there are some easy and effective ways to teach discipline. With these 5 parenting tips, you can guide your child in the right direction without hurting them, and believe me, they will obey every single word you say. Make rules and follow them yourself - First, set some basic rules for the house. For example, "Toys must be put away before bed" or "No phone use while eating." These rules should be simple and age-appropriate for the child. Most importantly, you should also follow these rules. Children learn what they see. Explain why instead of scolding - When your child makes a mistake, instead of simply saying "Don't do this," explain the reason. For example, "Don't write on the wall, because it makes it dirty and difficult to clean." When the child understands the reason, they won't repeat the same mistake. Praise positive behavior - When your child does something good, such as doing their homework or helping a younger sibling, praise them generously. Words like "You did a great job!" or "I'm proud of you!" encourage them. When they see that they're praised for good behavior, they're more likely to repeat it. Use consequences as a weapon of discipline - If a child misbehaves, let them suffer the consequences of their mistake. This is called "natural consequences." For example, if they leave their toys scattered, don't give them new toys the next day until they collect them. This method teaches them to take responsibility for their mistakes.

Enjoy together - Spend quality time with your children. Play with them, tell them stories, or engage in activities they enjoy. When children feel close to their parents, they listen more. This strengthens your relationship and keeps the child calm.

Small things help children develop a positive mindset; follow these tips for better development.

Maintaining a positive mindset in every situation is crucial for children's mental development and self-confidence. Such children face life's challenges with courage and balance. This quality can be easily developed through proper parenting. Let's learn some parenting tips. A positive mindset is essential for children's development. It boosts children's self-confidence and is also crucial for their mental health. In today's fast-paced and competitive world, it is crucial for children to remain mentally strong and positive. When children adopt a positive mindset in every situation, they face life's challenges with confidence. This quality not only makes them successful but also helps them live a happy and balanced life. Parents play a vital role in this. Some parenting tips mentioned here will help such children stay positive. Let's learn about them. How to maintain positivity? Set a positive example - Children deeply observe everything their parents say. If you are calm, optimistic, and solution-seeking during difficult times, your child will adopt this same attitude. Encourage open communication - Talk openly with children. Let them feel they can share their problems and feelings with you. This makes them feel lighter. Offer appreciation instead of criticism - Praise them for every achievement, big or small. This builds their self-confidence and helps them see themselves positively. Teach them to embrace failure as a learning experience - Tell children that mistakes are normal and every failure offers a new lesson. This will encourage them to focus on learning rather than fear. Develop a sense of gratitude - Teach them to be thankful for everyday things. This fosters contentment and positive thinking in children. Create a positive environment - Encourage children to socialize with people who encourage them and keep them away from negativity. Participate in positive activities - Activities like yoga, meditation, creative writing, or art provide mental peace and positive thinking. Balanced use of technology - Controlling screen time is essential to keep children away from the negativity associated with social media or TV. Teach self-love - Teach children

that they are good just the way they are. This develops self-confidence and positivity. A positive attitude in every situation helps children throughout their lives. Therefore, by following these tips, you can help your child become a strong, happy, and positive individual.

TV's OG 'Queen' Ekta Kapoor to star in Korean drama, to make a big announcement on this day

Ekta Kapoor in K-Drama: Ekta Kapoor has carved a niche for herself in the world of television. For decades, Ekta has entertained audiences with her TV serials, and continues to do so.

However, recently, Ekta has given a life update that is sure to delight her fans. Ekta Kapoor to star in Korean drama: Two days later, she will make a big announcement: TV's OG Queen to star in K-Drama. Whenever TV serials are discussed in India, Ekta Kapoor's name is always mentioned first, and why not? After all, Ekta has dominated television for years. Years ago, Ekta Kapoor, who became a household name with "Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi," brought back the same serial in 2025, and people are still enjoying it with the same enthusiasm. But now, it seems Ekta is looking to take her art to the international level, as she recently made an announcement that has delighted her fans. Will Ekta Kapoor be seen in a Korean drama? While Hindi serials have a strong fan following in India, Korean dramas also have millions of fans in the country. So, now Ekta Kapoor has made an announcement that will delight both of these fans. Ekta recently announced in a social media post that she will be appearing in a Korean drama. The big announcement will be made on this day: On her Instagram story, Ekta shared a video of herself saying, "Hi friends, do you remember I'm the OG creator of K-dramas, and I'm going to give you a life update: I'm going to be seen in a Korean drama." Along with this story, she wrote, "Surprise on September 29th at 1 PM." Most of Ekta Kapoor's serials begin with the letter "K." These include serials like Kasautii Zindagii Kay, Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi, Kumkum Bhagya, Kundali Bhagya, Kahaani Ghar Ghar Kii, Kasam Se. That is why she is called the Kasam, Kaisa Ye Pyar Hai, Kahin To Hoga, OG Queen of K-drama. Ekta Kapoor has also produced many films along with TV serials. She has produced many serials and films under her Balaji Productions banner. For her contribution to the cinema world, she has been awarded the Padma Shri by the Government of India, apart from this she has also been honored with the International Emmy Directorate Award. She is the daughter of Bollywood actors Jeetendra and Shobha Kapoor.

Vivek Oberoi was removed from films after speaking out against Salman Khan; the actor was suffering from depression.

Vivek Oberoi shocked everyone in 2003 by accusing Salman Khan of threatening him at a press conference. In a recent interview, Vivek Oberoi revealed that the film industry boycotted him after that incident. He was removed from several projects. Vivek Oberoi shocked everyone in 2003 by holding a press conference in which he accused Salman Khan of threatening him. It was said that Aishwarya Rai was dating Vivek Oberoi after her breakup with Salman Khan, which is what sparked the entire controversy. However, this press conference changed Vivek's life and negatively impacted his career. Vivek was boycotted everywhere - In a recent interview, Vivek Oberoi recalled the subsequent incident and said that he laughs when he remembers it now. The actor said that he no longer cares about the incident, but the film industry boycotted him at the time. Can't forget the tears of my family members - In an interview with Prakhar Gupta on his YouTube channel, Vivek said, "I don't remember what happened to me, nor do I care about them. The things that are hard to forget are your mother's expression and your father's reaction to the entire incident. I find it hard to forget those tears in his eyes. Ultimately, the goal is to forget them too, because all those memories will give rise to even more negative emotions." Vivek received threatening calls - Vivek said that after this incident, he not only received threats but was also removed from several projects. The actor also recalled that his family members also received many threatening calls at that time. He said, "During that time, there was a period when everyone was boycotting me. No one was willing to work with me, and I was even removed from the films I had signed. Furthermore, I received many threatening calls. These calls also reached my sister, father, and mother." Vivek went into depression - Although Vivek did not mention Aishwarya by name, he revealed that his personal life was also going through a lot of turmoil. He said, "Besides, my personal life was also completely disrupted. I went into depression, and like a mama's boy, I went to my mother and cried a lot. I kept asking, 'Why me?'. She simply said, 'Did you ever ask yourself this question when you were winning awards, making films, and having fans following you?'" Vivek will be seen in Masti 4 - Vivek Oberoi will soon be seen in Masti 4. Starring Riteish Deshmukh and Aftab Shivdasani, the film is the fourth installment in the franchise. This film marks the return of the trio who made waves with their comic timing in 2004.

Ankita Lokhande's reel reminds fans of Manav and Archana, and makes them miss Sushant Singh Rajput.

Ankita Lokhande recently shared a reel on social media that brought back memories of her time on Pavitra Rishta. She used the song that played during Manav and Archana's romantic scenes on the show. Ankita looked stunning in a blue kurta. Ankita Lokhande often updates her fans through social media. Recently, the actress posted a reel that has her fans feeling nostalgic. It reminded them of Manav and Archana from Pavitra Rishta. Ankita shared the video on social media: the song used was actually played during her and Sushant Singh Rajput's romantic scenes on her popular show, Pavitra Rishta. Ankita looked stunning in a pastel blue traditional kurta, and her expressions perfectly captured the emotions of the song. In her caption, Ankita asked her fans, "Saathiya, what did you do? Who else likes this song?" Fans lost in the love of Archana and Manav - For fans, this wasn't just a reel, but a trip down memory lane for those who grew up watching them on the show. The clip not only inspired fans to reminisce about the show but also share their love for this classic track. One wrote, "All time favorite girl," while another said, "If beauty has a face, it's you." Many others reminisced about the show, with one writing, "This song from Pavitra Rishta takes me back in time." Another wrote, "I miss Pavitra Rishta." Ankita wrote a note on completion of 15 years - Notably, when Pavitra Rishta completed its 15 years in 2024, Ankita wrote a note for the show and also remembered Sushant Singh Rajput. The actress thanked him for supporting her throughout the shoot. She wrote, "15 years ago, I started my journey as Archana in Pavitra Rishta. Little did I know that even after so many years, I would continue to receive so much love for the character that has become my identity. I sometimes feel that becoming Archana was destined for me. She was in me, and still is. She has taught me so much about life." Sushant taught Ankita acting - The actress further said, "If I had not had Sushant's support, my journey would have been incomplete. When I started Pavitra Rishta, I didn't even know how to act. He taught me, and I will always be grateful to him. This show ushered in a new kind of storytelling."